



दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik | aslizadidainikofficial
@AsliAzadiDainik

असली आजादी

■ वर्ष: 22, अंक: 28 ■ दमण, शनिवार 17, अक्टूबर, 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

प्रशासक प्रफुल पटेल ने दानह दौरे के दूसरे दिन शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, खेल सहित इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्टों का किया निरीक्षण



■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने एस.एस.आर. कॉलेज के समीप आर.आर.सी. सेंपल रोड, सायली स्टेडियम, पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर, पीटीएस सायली, नवनिर्मित नमो मेडिकल कॉलेज के एडमिन ब्लॉक एवं हॉस्टल भवन, नर्सिंग कॉलेज एवं नर्सिंग हॉस्टल, सायली आउटपोस्ट जंक्शन-रखोली रोड, सायली पुलिस स्टेशन, डोकमरडी स्कूल, डोकमरडी एफओबी अंडरपास जंक्शन, गल्लोडा स्कूल, रांधा स्कूल तथा पंचायत मार्केट सहित विभिन्न स्थलों का दौराकर परियोजनाओं की समीक्षा की: अधिकारियों और ठेकेदारों को तय समय-सीमा में गुणवत्तायुक्त परियोजनाएं पूरा करने का दिया निर्देश



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/सिलवासा, 16 अक्टूबर। प्रशासक प्रफुल पटेल ने आज दादरा नगर हवेली दौरे के दूसरे दिन शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, खेल सहित इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्टों का निरीक्षण

किया। प्रशासक प्रफुल पटेल ने सर्वप्रथम एस.एस.आर. कॉलेज के समीप आर.आर.सी. सेंपल रोड, सायली स्टेडियम, पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर, पीटीएस सायली, नवनिर्मित नमो मेडिकल कॉलेज के

एडमिन ब्लॉक एवं हॉस्टल भवन, नर्सिंग कॉलेज एवं नर्सिंग हॉस्टल, सायली आउटपोस्ट जंक्शन-रखोली रोड, सायली पुलिस स्टेशन, डोकमरडी स्कूल, डोकमरडी एफओबी अंडरपास

जंक्शन, गल्लोडा स्कूल, रांधा स्कूल तथा पंचायत मार्केट सहित विभिन्न स्थलों का दौरा कर वहां चल रहे विकास एवं निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रशासक प्रफुल पटेल ने

संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति, कार्य की प्रगति, पूर्णता की समय-सीमा तथा निर्माण की गुणवत्ता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक

दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सभी विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ तथा निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। विभिन्न विकास परियोजनाओं के निरीक्षण के

उपरांत प्रशासक ने कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता, गति एवं समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा क्षेत्र के समग्र एवं

संतुलित विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है तथा सभी विकास परियोजनाओं को पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

गुजरात के उद्योगों के प्रदूषण का दमणगंगा नदी को फिर लगा ग्रहण: सांसद उमेश पटेल ने संघ प्रदेश प्रशासन से प्रदूषण रोकने की मांग की

■ सांसद उमेश पटेल ने प्रशासक के सलाहकार अंकुर गर्ग को पत्र लिखकर 15 दिनों के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट उपलब्ध कराने की मांग की। सांसद उमेश पटेल ने आज सुबह समुद्र नारायण मंदिर, नानी दमण पुराना ब्रिज, साईं मंदिर, मोटी दमण लाइट हाउस से मांगेलवाड तक मोटी दमण क्षेत्र में भी किया था निरीक्षण असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 अक्टूबर।



दमण की जीवनरेखा समान दमणगंगा नदी को फिर एक बार गुजरात के वापी क्षेत्र के प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों का ग्रहण लग चुका है। पिछले कुछ दिनों से दमणगंगा नदी का रंग लाल और काला दिखने लगा है। साथ ही साथ तीव्र दुर्गंध भी आ रही है। दमण-दीव सांसद उमेश पटेल को तटीय क्षेत्र के निवासियों ने इसकी शिकायत की थी। सांसद उमेश पटेल ने आज सुबह समुद्र नारायण मंदिर, नानी दमण पुराना ब्रिज, साईं मंदिर, मोटी दमण लाइट हाउस से मांगेलवाड तक मोटी दमण क्षेत्र का निरीक्षण कर प्रदूषण की समस्या

को नजदीक से समझा। सांसद उमेश पटेल ने प्रशासक के सलाहकार अंकुर गर्ग को पत्र भेजकर तत्काल प्रभाव से दमणगंगा नदी में फैले प्रदूषण को रोकने की मांग की। इतना ही नहीं सांसद ने 15 दिनों के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट भी मांगा है। सांसद उमेश पटेल द्वारा जारी प्रेस विज्ञापित में बताया गया है कि दमणगंगा नदी में रासायनिक प्रदूषण की शिकायतें बार-बार प्रशासन के समक्ष रखी जा रही हैं, तो आज तक इसका स्थायी समाधान क्यों नहीं निकला? क्या गुजरात की औद्योगिक इकाइयों को दमणगंगा नदी में रासायनिक अपशिष्ट छोड़ने की खुली छूट दे दी गई है? यदि नहीं, तो प्रदूषण फैलाने

वालों के खिलाफ प्रशासन की ठोस कार्रवाई जमीन पर दिखाई क्यों नहीं देती? उन्होंने स्पष्ट किया कि नदी में प्रदूषण केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि दमण के नागरिकों के स्वास्थ्य, मछुआरों की आजीविका, जलीय जीवों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर जनहित का मुद्दा है। सांसद उमेश पटेल ने दमणगंगा नदी में रासायनिक प्रदूषण के स्रोतों की तत्काल वैज्ञानिक जांच कराने, प्रदूषण कठोर कानूनी कार्रवाई करने, संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने, नदी को प्रदूषणमुक्त बनाने के लिए समयबद्ध

कार्ययोजना तैयार करने और अब तक की गई कार्रवाई, जिम्मेदार इकाइयों और भविष्य की योजनाओं की विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट 15 दिनों में उपलब्ध कराने की मांग की है। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि दमणगंगा हमारी जीवनदायिनी नदी बनने नहीं दिया जा सकता। जनता को केवल आशवासन नहीं, बल्कि साफ नदी और जमीन पर दिखाई देने वाली कार्रवाई चाहिए। उन्होंने मोटी दमण कलेक्ट्रेट के सामने प्रभावित लोगों को प्रभावित करने के लिए प्रशासन द्वारा समयबद्ध एवं प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो इस गंभीर विषय को केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालयों और अन्य सक्षम मंचों के समक्ष प्रमुखता से उठाया जाएगा।

दमण में तेज रफ्तार कारों का कहर जारी

दमण कलेक्ट्रेट के सामने तेज रफ्तार कार ने मोपेड सवार को कुचला, घटनास्थल पर हुई मौत

■ हादसे में माछी समाज के अग्रणी गोपाल टंडेल (कोठा) की हुई मौत: एक महिला भी हुई घायल ■ तेज रफ्तार कार ने अन्य चार वाहनों को भी पहुंचा नुकसान ■ पुलिस ने आरोपी कार चालक केतुकुमार दत्त कामली को किया गिरफ्तार शुरू की कार्रवाई

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 16 अक्टूबर। मोटी दमण स्थित कलेक्टर कार्यालय के सामने मुख्य मार्ग पर शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे तेज रफ्तार कार चालक ने प्लेजर मोपेड सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में माछी समाज के अग्रणी गोपाल टंडेल (कोठा) की मौत पर ही मौत हो गई। जबकि एक महिला को भी गंभीर चोट आई है। इस घटना की जानकारी मिलते ही मोटी दमण कोस्टल पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई और कार चालक को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मोटी दमण कलेक्ट्रेट के सामने शुक्रवार को सुबह लगभग 11.30 बजे फुटबॉल ग्राउंड की ओर से तेज गति से आ रही कार नं. डीडी-03-एम-6386 के चालक केतुकुमार दत्त कामली ने कलेक्टर कार्यालय परिसर से बाहर निकल रही प्लेजर मोपेड



नं. डीडी-03-एम-2195 को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में प्लेजर मोपेड सवार 72 वर्षीय गोपाल टंडेल (कोठा) निवासी स्टेट बैंक के सामने परकोटा शेरी नानी दमण को गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में होंडा एक्टिवा पर सवार लक्ष्मी उदय मिटना नामक महिला भी बुरी तरह घायल हो गई है। घटना की आवाज सुनकर

कलेक्टर कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा आस-पास के लोग मौके पर तुरंत पहुंच गये। घायलों को एंबुलेंस से दमण के मरवड स्थित नमो सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार की चपेट में वहां खड़े अन्य वाहन भी आ गए। हादसे में होंडा सिटी (डीडी-03-एम-0017), डीडी-03-एम-1872), होंडा एक्टिवा

(जीजे-15-ईबी-6472) और प्लेजर मोपेड (डीडी-03-एम-2195) को भी नुकसान पहुंचा। इस घटना की जानकारी होते ही मोटी दमण कोस्टल पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। आरोपी कार चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में मोटी दमण कोस्टल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करके आगे की जांच शुरू की गई है।

पांचवें नवरात्रे तक 2.23 लाख श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के किए दर्शन

जम्मू (एजेंसी)। जारी नवरात्रों के दौरान हर दिन मां भगवती के दर्शनों को आने वाले श्रद्धालुओं में उछाल देखने को मिल रहा है। वैष्णो देवी भवन सहित यात्रा के प्रवेश द्वार दक्षिणी ड्योडी पर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रहे हैं। इसी का नतीजा है कि पहले पांच नवरात्रों के दौरान 2,23,657 श्रद्धालुओं ने वैष्णो देवी भवन पर मां भगवती की प्राकृतिक पिंडियों के समक्ष नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया है। इन श्रद्धालुओं को सुविधाएं देने के लिए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सी.आर.पी.एफ. की 6 बटालियन और जिला प्रशासन हरसंभव प्रयास कर रहा है। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड से मिले आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार पहले नवरात्र पर 47374, दूसरे नवरात्र पर 48280, तीसरे नवरात्र पर 46449 और चौथे नवरात्र यानी ध्रुववार को 41863 श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दरबार में नमन कर आशीर्वाद प्राप्त किया था, तो वहीं गुरुवार सुबह से ही वैष्णो देवी यात्रा के प्रवेश द्वार दक्षिणी ड्योडी पर श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। गुरुवार रात 10 बजे तक 39,691 श्रद्धालुओं ने आर.एफ.आई.डी. कार्ड लेकर वैष्णो देवी भवन की ओर प्रस्थान कर लिया था। अनुमान लगाया जा रहा है कि जारी नवरात्रों के दौरान करीब 4 लाख श्रद्धालु वैष्णो देवी भवन पर नमन करेंगे।

पंजाब में बिना मुख्यमंत्री चेहरे के चुनाव में उतरेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि पार्टी किसी एक नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए बिना चुनाव मैदान में उतरेगी। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने दावा किया कि राज्य में अगली सरकार कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। पायलट के मुताबिक, चुनाव में जनादेश मिलने के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं की राय ली जाएगी। इसके बाद राज्य के नेतृत्व पर निर्णय होगा। उन्होंने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह को टीम को साथ लेकर चलने वाला कप्तान बताते हुए कहा कि चुनाव में सफलता के लिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का योगदान जरूरी है। सचिन पायलट ने चुनावी मुकामले की तुलना क्रिकेट से करते हुए कहा कि जीत के इरादे से मैदान में उतरने वाली टीम के लिए लक्ष्य हासिल करना संभव है। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस के पास मजबूत संगठन तथा चुनाव जीतने की क्षमता है।

अखिलेश यादव का बीजेपी पर निशाना : मतदाता सूची के जरिए साजिश का आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग (ईसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके राजनीतिक विरोधी चुनाव आयोग के माध्यम से एक बड़ी साजिश रच रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि वे सीधे चुनावी मुकामले में जीत नहीं सकते। लखनऊ में प्रेसवार्ता को संबोधित कर अखिलेश यादव ने मतदाता सूची में बार-बार होने वाले संशोधनों की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने चुनाव आयोग से केवल एक बार संशोधन करने की मांग की, न कि बार-बार करते रहने की। उन्होंने कहा, चूंकि आपने पूरी तैयारी के साथ विशेष पुनरीक्षण (रिसेप्सआर) का फैसला लिया है, तब इस अंतिम नामांकन तक इस्तरह ही रहने दें। सपा प्रमुख यादव ने कटाक्ष कर कहा, जब उनकी कोई भी योजना काम नहीं आई, तब अब वे एसएसआर का सहारा ले रहे हैं, और अगर आप एसएसआर को उल्टा कर दें, तब आरएसएस बन जाता है! सपा प्रमुख ने अधिकारियों पर मतदाता सूची में लगातार संशोधन करने का दबाव डालने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बिना पंजीकरण वाले, अंधेरी सुरंगों में रहने वाले और नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति जानते हैं कि अब सीधा मुकामला संभव नहीं है, इसलिए वे चुनाव आयोग के जरिए यह साजिश रच रहे हैं। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ियों पर चिंता व्यक्त कर कहा कि कई निर्वाचन क्षेत्रों में एक ही नाम कई बार दर्ज हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों को सिस्टम में किसी भी हेरफेर को नाकाम करने के लिए हर स्तर पर सतर्क रहने का आह्वान किया।

लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन चुनावी प्रक्रिया से होता : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस बयान पर तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने विपक्ष पर भारत में सत्ता परिवर्तन की कोशिश का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेता पवन खंडा ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में सरकार बदलना विपक्ष का अधिकार है और यह चुनाव के जरिए ही संभव है। दिल्ली में एक प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेता खंडा ने 1977 के सत्ता परिवर्तन का हवाला देकर पूछा, भारत जैसे लोकतंत्र में सत्ता कैसे बदलती है? चुनाव के जरिए ही बदलती है। उन्होंने जोड़ा कि कांग्रेस वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान चलाकर मौजूदा सरकार को हराने और व्यवस्था बदलने की अपनी संशा स्पष्ट रूप से दोहरा रही है। कांग्रेस नेता खंडा का ये बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस दावे के जवाब में आए है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल आयोग के खिलाफ युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का इस्तेमाल कर राजनीतिक अस्थिरता पैदा करना चाहते हैं। सिंह ने आरोप लगाया था कि विपक्ष युवाओं को अराजकता की राजनीति का मोहरा बनाकर देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है, और वे बालादेश की तर्ज पर भारत में भी सत्ता बदलना चाहते हैं।

सीजेपी के प्रदर्शन से कारोबार प्रभावित, सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

- सुनवाई के दौरान माइक्रोफोन छीने जाने का आरोप लगा वरिष्ठ वकील ने सात मामलों से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच दिल्ली के कर्नाट प्लेस में शुक्रवार को प्रस्तावित 'लहरा दो तिरंगा' मार्च को लेकर विवाद गहरा गया। प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित होने की आशंका पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई और उम्मीद व्यक्त की कि प्रदर्शनकारियों को सद्बुद्धि आएगी। दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने मार्च की अनुमति देने से इनकार करते हुए लोगों से इससे दूर रहने की अपील की। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शन से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान कथित अव्यवस्था से नाराज वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने सात मामलों की पैरवी से खुद को अलग कर लिया। गौरतलब है कि सीजेपी ने शुक्रवार शाम कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में एकत्र होकर तिरंगा मार्च निकालने का ऐलान किया था। संगठन के संस्थापक अधिजीत दीक्षे ने लोगों से राष्ट्रीय ध्वज के साथ पहुंचने की अपील की। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कानून-

व्यवस्था का हवाला देते हुए इसकी अनुमति नहीं दी। पुलिस के अनुसार, इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू है, जिसके तहत लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध है। पुलिस ने यह भी कहा कि सीमित संख्या में लोगों को किसी उपयुक्त स्थान पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान गाने की सुविधा दी जा सकती है। इधर, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए शुक्रवार और शनिवार को सेंट्रल पार्क आम लोगों के लिए बंद रखने की घोषणा की। यह घटनाक्रम दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा सीजेपी को प्रदर्शन करने से रोकने से इनकार किए जाने के बाद सामने आया। प्रदर्शन का ऐलान संगठन के नेता सौरभ दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी तथा उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद किया गया था। कर्नाट प्लेस के व्यापारियों के संगठन न्यू दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) ने अपील की। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने कानून-

अपील की कि वे विरोध-प्रदर्शन के लिए किसी अन्य स्थान का चयन करें। संगठन ने कहा कि वह विरोध करने और अपनी आवाज उठाने के अधिकार का समान करता है, लेकिन कर्नाट प्लेस व्यापारियों का कार्यस्थल है। प्रदर्शन के कारण कारोबार प्रभावित नहीं होना चाहिए। संगठन ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर कहा कि बेहतर भविष्य के लिए प्रदर्शन करते समय लोगों के वर्तमान रोजगार और आजीविका को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।

... सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान विवाद ...

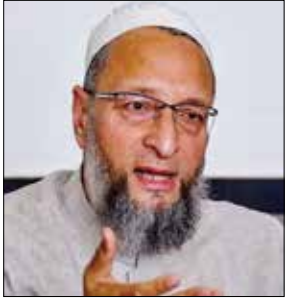
इसी मामले से जुड़े सात प्रकरणों में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान बार-बार बाधा डालने और माइक्रोफोन छीने जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अदालत में व्यवस्था बनाए रखने में पीट विफल रही और ऐसी परिस्थितियों में काम जारी रखना संभव नहीं है। उनके मुताबिक, अदालत की गरिमा किसी भी मामले में अपनी उपस्थिति बनाए रखने से



अधिक महत्वपूर्ण है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने करीब 46 याचिकाओं पर सुनवाई की। ये याचिकाएं पुलिस कार्रवाई, कथित गैरकानूनी हिरासत, आवाजाही पर प्रतिबंध, पत्रकारों के अधिकारों और जंत-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति से संबंधित थीं। सुनवाई के दौरान हुई कथित अव्यवस्था के बाद शंकरनारायणन ने संबंधित सात मामलों से अपना नाम वापस लेने की घोषणा की।

मोदी का विरोध अपनी जगह पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता

-असदुद्दीन औवैसी बोले- बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है



नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन औवैसी ने एलन मस्क के बयानों पर कहा कि पीएम मोदी के विरोध अपनी जगह है, पर कोई विदेशी कारोबारी भारत को आदेश नहीं दे सकता। स्टारलैंक को भारत में मंजूरी मिलने में देरी से शुरू हुए इस विवाद में राहुल गांधी ने उद्योगपतियों से सरकार के रिश्तों पर हमला बोला, जबकि औवैसी ने बीजेपी से राष्ट्रवाद पर सवाल पूछा। स्पेसएक्स के मालिक और टेस्ला के सीईओ मस्क ने आरोप लगाया है कि कुछ ओलिगार्क अपना दकदबा बचाने के लिए स्टारलैंक की पंटी रोक रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या रिलायंस चैयरमैन मुकेश अंबानी भारत के असली बॉस हैं, और उन्हें पीएम मुकेश अंबानी तक कह डाला। सरकार के मुताबिक स्टारलैंक, रिलायंस जियो की सैटेलाइट कंपनी

और भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब, तीनों लाइसेंसधारी कंपनियों की सुरक्षा जांच चल रही है और वे करीब एक ही चरण में हैं। सुरक्षा जांच और स्पेक्ट्रम मंजूरी के बिना कोई सेवा शुरू नहीं कर सकता। मतदाता सूची की एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ एआईएमआईएम के सुप्रीम कोर्ट जाने के बाद हैदराबाद में सांसद औवैसी ने कहा कि वे हमेशा पीएम मोदी के खिलाफ थे और रहेंगे, लेकिन एलन मस्क के पीएम के बारे में ऐसा कैसे लिख सकते हैं। उन्होंने पूछा कि बीजेपी और मोदी सरकार गोरी चमड़ी से इतना क्यों डरती है।

राहुल ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया, अपमान का सवाल ही नहीं: शिवकुमार

-प्रदर्शन में डीके को धक्का देने से गरमाई राजनीति, भाजपा ने अपमान बताया

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी और कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार को लेकर उठे कथित विवाद पर सीएम डीके शिवकुमार ने सफाई दी है। उन्होंने साफ कहा है कि राहुल गांधी ने ही उन्हें सीएम बनाया है और उनके प्रति अपमान जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने बीजेपी और कुछ मीडिया संस्थानों पर इसे राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। वहीं, बीजेपी ने भी आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने सीएम को किनारे कर कन्नड़ लोगों का अपमान किया है। बता दें यह विवाद तब शुरू हुआ जब सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान बीजेपी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर दावा किया कि राहुल गांधी ने डीके शिवकुमार को धक्का देकर किनारे कर दिया। हालांकि, शिवकुमार ने इन आरोपों को सिरि से खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन में भीड़ बहुत ज्यादा थी और राहुल गांधी उनकी सुरक्षा को लेकर निरति थे, इसलिए उन्होंने शिवकुमार को पीछे आ रहे वाहन में बैठने के लिए कहा था।



शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कई मीडिया संस्थानों और बीजेपी नेताओं ने इस घटना को अपमान के तौर पर पेश करना गलत है। उन्होंने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे, पाटी और राहुल गांधी के आशीर्वाद से मैं सीएम बना हूं। यह पूरा आशीर्वाद है और हम यहां सरकार चला रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार राज्य के मतदाताओं के हितों की

रक्षा कर रही है और वे देश के मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करने के लिए एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। कुछ मीडिया संस्थान और बीजेपी नेता इस मुद्दे को लेकर बेवजह राजनीति और विवाद पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डॉ जी परमेश्वर ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी, जिससे मुख्यमंत्री के दावों को बल मिला। उन्होंने

कहा कि विरोध प्रदर्शनों और बड़ी जनसभाओं में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है। परमेश्वर ने समझाया कि उस स्थान पर सुरक्षा कर्मियों की प्राथमिक जिम्मेदारी राहुल गांधी की रक्षा करना और भीड़ को उनके करीब आने से रोकना था। उन्होंने बताया कि दुर्भाग्यवश मुख्यमंत्री भी उस क्षेत्र की ओर बढ़ गए और भीड़ के बीच उन्हें हल्का धक्का लगा गया, जो कि परिस्थितियों का परिणाम था, न कि किसी अपमानजनक इरादे का। रिपोर्ट के मुताबिक इस विवाद पर बीजेपी ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक और बीजेपी नेता एन रवि कुमार ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान सीएम डीके शिवकुमार को धक्का देना कन्नड़ लोगों का अपमान है। रवि कुमार ने कहा कि यह घटना राहुल गांधी को अपनी ही पार्टी के सीएम के प्रति अनादर को दर्शाती है। इस प्रकार, दिल्ली में विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई घटना को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

यूनस शेख एआईएमआईएम के किसी भी पद पर नहीं थे और न ही पार्टी के सदस्य थे

-पार्षद सहर के पिता के शिवसेना में शामिल होने पर वारिस पठान ने टी साफाई



मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे नगर महापालिका की नवनिर्वाचित एआईएमआईएम पार्षद सहर के पिता यूनुस शेख के एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल होने की खबर पर राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। इस घटनाक्रम को लेकर विरोधी दलों ने तंज कसने और भगवा रंग से जोड़ने की कोशिशों के बीच एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने एक वीडियो जारी कर सच्चाई बताई और इस मामले पर विराम लगाने का प्रयास किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वारिस पठान ने साफ किया कि यूनुस शेख ने किसी राजनीतिक दल को नहीं, बल्कि एक केवल यूनिट को जॉइन किया है। यूनुस शेख पिछले तीस सालों से केवल व्यवसाय से जुड़े हुए

हैं और वे उससे संबंधित एक संस्थान के सदस्य अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों में होते हैं। उन्होंने कई उदाहरणों का हवाला दिया जहां पिता, बेटे और बेटे अलग-अलग दलों में सक्रिय हैं। पठान ने कहा कि यूनुस शेख अपनी मनमर्जी के मालिक हैं और वह कहीं भी जाने के लिए स्वतंत्र हैं, क्योंकि उनका एआईएमआईएम से कोई संगठनात्मक संबंध नहीं था। एआईएमआईएम ने उन अटकलों को खारिज कर दिया, जिनमें सहर शेख के भी शिवसेना की ओर झुकाव की बात कही जा रही थी।

दुनिया में जारी संघर्षों के बीच ‘तिब्बत का मुद्दा हमेशा जिंदा रहेगा’: दलाई लामा

- धर्मगुरु ने कहा- तिब्बत के धर्म और संस्कृति को बचाना भविष्य के लिए सबसे अहम

नई दिल्ली, एजेंसी। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने संदेश दिया है कि दुनिया में जारी संघर्ष और बदलते भू-राजनीतिक हालात के बावजूद तिब्बत का मुद्दा हमेशा जिंदा रहेगा। उन्होंने तिब्बत के धर्म और संस्कृति को बचाना भविष्य के लिए सबसे अहम बताया। यह संदेश ऐसे समय में आया है जब तिब्बती धर्मगुरु के उत्तराधिकारी को लेकर चीन के साथ मतभेद बने हुए हैं और भारत-चीन के बीच सीमा विवाद भी तनावपूर्ण है। दलाई लामा ने तिब्बत के लोगों के लिए उम्मीद की किरण जगाते हुए कहा कि

हालात चाहे जैसे भी हों, तिब्बत का मुद्दा उसकी गहरी सांस्कृतिक जड़ों, उसकी परंपराओं और धर्म को बचाए रखने से जुड़ा है। यह संदेश इस बात पर जोर देता है कि तिब्बत का सवाल सिर्फ राजनीतिक अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ तिब्बती लोगों का भाषा, संस्कृति, धार्मिक परंपराएं और उनकी अलग पहचान भी जुड़ी हुई है। दलाई लामा 1959 से भारत में रह रहे हैं, और धर्मशाला तिब्बती निर्वासित समुदाय तथा उनके धार्मिक-राजनीतिक संस्थानों का एक प्रमुख केंद्र हैं, जहां दशकों से तिब्बती समुदाय अपनी

सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तिब्बत के भविष्य से जुड़ा एक बड़ा सवाल दलाई लामा के उत्तराधिकारी का भी है, जिस पर चीन से गहरा विवाद है। जुलाई 2025 में दलाई लामा ने स्पष्ट किया था कि उनके अगले अवतार की पहचान करने का अधिकार केवल गदेन चोइरंग ट्रस्ट के पास होगा और इस प्रक्रिया में किसी दूसरे पक्ष को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। इसके उलट, चीन का कहना है कि अगले दलाई लामा की पहचान चीनी कानूनों, धार्मिक परंपराओं

और ऐतिहासिक व्यवस्थाओं के मुताबिक होनी चाहिए और उत्तराधिकारी को चीन की केंद्र सरकार की मंजूरी मिलनी जरूरी है। दलाई लामा का यह संदेश इस बात को रेखांकित करता है कि तिब्बत का मुद्दा केवल बदलते राजनीतिक समीकरणों से तय नहीं होगा, बल्कि तिब्बती संस्कृति, धर्म और परंपराओं को बचाने की कोशिशें इसे जीवित रखेंगी। हाल ही में भारत और चीन के बीच लड़ाख पर टिप्पणियों को लेकर भी मतभेद सामने आए हैं। 13 अक्टूबर 2026 को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने लड़ाख को भारत का अभिन्न बताया था, जिसके बाद



चीन की विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने संबंधित क्षेत्रों पर अपने दावे दोहराए।

कनॉट प्लेस में प्रदर्शन के खिलाफ व्यापारियों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी, कहा- ‘थोड़ी समझदारी दिखाएं’

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर व्यापारियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि सभी पक्षों को थोड़ी समझदारी दिखानी चाहिए। अदालत में व्यापारियों ने आशंका जताई कि प्रदर्शन के कारण उनके कारोबार पर असर पड़ सकता है और इलाके में आने-जाने वाले लोगों को परेशानी हो सकती है। यह मामला मुख्य न्यायाधीश और चुनाव आयोग से जुड़े विवाद के बीच प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन से संबंधित है। व्यापारियों की ओर से अदालत को बताया गया कि कनॉट प्लेस राजधानी का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है, जहां बड़ी संख्या में दुकानें, रेस्तरां और अन्य प्रतिष्ठान हैं। ऐसे में सेंट्रल पार्क में प्रदर्शन होने से कारोबार और आम लोगों की आवाजही प्रभावित होने की आशंका है। सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रदर्शनकारियों और व्यापारियों, दोनों के हितों को ध्यान में रखने की जरूरत पर जोर दिया। अदालत की टिप्पणी का आशय था कि विरोध जताने के अधिकार और आम नागरिकों की सुविधा के बीच संतुलन बनाए रखा जाना चाहिए।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर 42.49 लाख का सोना जब्त, रोडियम कोटिंग से पहचान छिपाने की कोशिश

अहमदाबाद (ईएमएस)। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम्स विभाग की एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) ने सोने की तस्करी का पर्दाफाश करते हुए 42.49 लाख रुपये का सोना जब्त किया है। 15 अक्टूबर को अबुधाबी से आए एक यात्री की तीन ट्रॉली बैग की जांच में 282.910 ग्राम 24 कैरेट सोना बरामद हुआ। तस्करी के लिए सोने के छह तारों को ट्रॉली बैग के भीतर स्क्रू से फिट मेटल रिस्ट्रप्स में छिपाया गया था। पहचान छिपाने के लिए तारों पर सफेद रोडियम की कोटिंग की गई थी, ताकि वे सामान्य धातु की पड़ियों जैसे दिखाई दें। गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में इस चाल का खुलासा हुआ। जब्त सोने की कीमत 42,49,308 रुपये आंकी गई है। कस्टम्स एक्ट, 1962 के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित यात्री को हिरासत में लिया गया है। कस्टम्स विभाग अब जांच कर रहा है कि सोना किसे पहुंचाया जाना था और क्या इसके पीछे कोई अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह सक्रिय है।

17 अक्टूबर को दक्षिण भारत में भारी बारिश का अलर्ट, पहाड़ों पर बर्फबारी से बढ़ेगी ठंड

नई दिल्ली (ईएमएस)। देशभर में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। भारतीय मौसम विभाग ने 17 अक्टूबर को दक्षिण भारत के कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वहीं, उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में बारिश और बर्फबारी के कारण ठंड बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, कर्नाटक के तटीय और दक्षिणी आंतरिक हिस्सों में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में गरज-चमक, बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में 17 अक्टूबर को अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने का अनुमान है, जिससे दिन में ठंडक महसूस होगी। हालांकि, 17 से 22 अक्टूबर के बीच दिल्ली में बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में रोहतांग, लाहौल-स्पीति और चंबा के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हुई है। बर्फ जमने के कारण रोहतांग दर्रे से सरजू, दारचा से शिंकू ला और प्राम्फू से बाटा जाने वाले मार्ग बंद हो गए हैं। साच पास पर भी करीब एक फीट बर्फ दर्ज की गई है। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में भी बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। पहाड़ों से आने वाली ठंडी हवाओं से मैदानी क्षेत्रों में सर्दी बढ़ सकती है।

लोथल बनेगा वैश्विक समुद्री विरासत का केंद्र



अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र 'विकास भी, विरासत भी' की चरितार्थ करने वाले देश के पहले राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएससी) का दौरा किया। उन्होंने प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता के इस ऐतिहासिक स्थल पर आकार ले रहे लोथल के इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रोजेक्ट के विभिन्न विकास कार्यों के निर्माण की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में आकार ले रहे इस परिसर में भारत की समृद्ध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करने वाला म्यूजियम, गैलरियां और दुनिया के सबसे ऊंचे 'लाइटहाउस म्यूजियम' का निर्माण हो रहा है। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने स्थल पर चल रहे सभी कार्यों और प्रोजेक्ट्स की मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल की। इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने इस प्रोजेक्ट से जुड़े उच्च अधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। इस बैठक में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के फेज-1 और फेज-2 के अंतिम आकार लेने वाली विभिन्न सुविधाओं, साइट की विशेषताओं, अब तक पूरे हो चुके तथा आगामी समय में निर्मित होने वाले विकास कार्यों के संबंध में विस्तार से प्रेजेंटेशन दिया गया। मुख्यमंत्री ने पर्यटकों के लिए वैश्विक आकर्षण का केंद्र बनने वाले इस परिसर का काम समयबद्ध तरीके से पूरा हो, इस संबंध में भी समीक्षा की।

महाराष्ट्र में पटाखे फोड़ने पर पूरे साल बैन मुंबई (ईएमएस)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सार्वजनिक सड़कों, गलियों और फुटपाथों पर पटाखे फोड़ने पर पूरी रोक पूरे साल लागू कर दी। यह रोक नवरात्रि, दिवाली, क्रिसमस और अन्य सभी त्योहारों पर लागू होगी। आदेश पूरे महाराष्ट्र में त्योहारों के जुलूसों के दौरान शोर और वायु प्रदूषण रोकने के लिए दिया गया है। जस्टिस गिरीश एस. कुलकर्णी और जस्टिस नीला के. गोकले की खंडपीठ ने यह निर्देश दिया। बैन ने कहा कि जब तक नागरिक हालात की जरूरत को नहीं समझेंगे और शहरों में रहने के लंबे समय के खतरों के प्रति जागरूक नहीं होंगे, तब तक हालात बिगड़ते रहेंगे। ऐसे शहर गैस चैबर में बदल सकते हैं। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि पटाखों के निर्माण और बिक्री पर रोक नहीं लगाई गई है।



भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज अहमदाबाद पहुंचे जहाँ उन्होंने गच्छाधिपति परमपूज्य आचार्य श्री उदयप्रभ सूरिश्वर जी महाराज और गच्छाधिपति परमपूज्य आचार्य श्री नररत्न सूरिश्वर जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। गौरयलव है कि जैन परंपरा की अहिंसा, संयम और अपरिग्रह की शिक्षा सदियों से भारतीय समाज को दिशा देती आई है। पूज्य महाराज जी का सान्निध्य इस जीवन-दृष्टि का साक्षात अनुभव कराता है।



फोटो स्टोरी

नवरात्र पर गुजरात पहुंचे अमित शाह, रूपाल में 81 फीट ऊंची शिव प्रतिमा का शिलान्यास केन्द्रीय गृह मंत्री रूपाल में वरदायिनी माता के दर्शन, माणसा में बहुचर माता की संध्या आरती में हुए शामिल

गांधीनगर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2026 को नवरात्र के पावन अवसर पर गुजरात का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांधीनगर जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल रूपाल स्थित शक्तिपीठ श्री वरदायिनी माताजी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद मंदिर परिसर में भगवान शिव की 81 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। रूपाल के कार्यक्रम के बाद अमित शाह अपने गृह क्षेत्र माणसा पहुंचे, जहां उन्होंने कुलदेवी बहुचर माता के मंदिर में दर्शन किए और संध्या आरती में भाग लिया। अमित शाह का यह दौरा धार्मिक आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों से जुड़ा रहा। नवरात्र के अवसर पर मंदिरों में दर्शन और पूजा-अर्चना के कार्यक्रमों के बीच रूपाल में शिव प्रतिमा के निर्माण की शुरुआत भी इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण रही। गांधीनगर जिले का रूपाल गांव शक्तिपीठ श्री वरदायिनी माताजी मंदिर और अपनी ऐतिहासिक धार्मिक परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। खासकर यहां आयोजित होने वाली पारंपरिक पल्लीयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। नवरात्र के दौरान इस क्षेत्र का धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है।

अपने गृह क्षेत्र माणसा पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी कुलदेवी बहुचर माता के मंदिर में दर्शन-पूजन किया और संध्या आरती में भाग लिया। नवरात्र के पावन अवसर पर कुलदेवी के दर्शन का विशेष धार्मिक महत्व है। अमित शाह का माणसा स्थित बहुचर माता मंदिर पहुंचना उनके गुजरात दौरे का अहम हिस्सा रहा। मंदिर में संध्या आरती के दौरान उन्होंने माता की आराधना की और धार्मिक अनुष्ठान में सहभागिता की। गुजरात में नवरात्र का पर्व विशेष श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दौरान मंदिरों में दर्शन, पूजा-अर्चना और आरती में शामिल होने की परंपरा का व्यापक महत्व है। अमित शाह ने भी अपने गुजरात दौरे के दौरान रूपाल और माणसा के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर इस परंपरा से जुड़ाव प्रदर्शित किया। रूपाल में वरदायिनी माताजी के दर्शन और भगवान शिव की 81 फीट ऊंची प्रतिमा का शिलान्यास, जबकि माणसा में कुलदेवी बहुचर माता की संध्या आरती में सहभागिता, उनके दौरे के प्रमुख कार्यक्रम रहे। इस तरह उनका एक दिवसीय गुजरात प्रवास धार्मिक आस्था, मंदिर परंपराओं और नए धार्मिक निर्माण की शुरुआत के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा।

आप विधायक चैतर वसावा के छोटे भाई ने जहर पीकर की आत्महत्या की कोशिश, हालत गंभीर

सूरत (ईएमएस)। गुजरात में आम आदमी पार्टी (आप) के चर्चित विधायक चैतर वसावा के परिवार से जुड़ी एक घटना सामने आई है। उनके छोटे भाई शांतिलाल वसावा ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या की कोशिश की। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें सूरत नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम आईसीयू में उनका इलाज कर रही है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, हाल ही में चैतर वसावा को अदालत से जेल की सजा सुनाए जाने के बाद से शांतिलाल वसावा मानसिक तनाव में थे। बताया जा रहा है कि भाई के जेल जाने से परिवार पर आए संकट और मानसिक दबाव के बीच उन्होंने यह कदम उठाया। हालांकि, आत्महत्या की कोशिश के पीछे यही एकमात्र कारण था या कोई अन्य पारिवारिक अथवा व्यक्तिगत परेशानी भी थी, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई।

Adv. for applicant J. G. Barua
Next date: 18/11/2026

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTD002-00082-2026
C. M. A. No. 384/2026

1. Datta Jivan & Ans. Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intend to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu. against Marriage Entry No. 152, dated: 15/07/1994

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu. shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 14/10/2026

CIVIL JUDGE, S.D. COURT
DIU.

By Order
Sd/- / Supersitendi.
Diu.

डॉ. सेठी के.सी. के पाँच दार्शनिक विचार

स्वयं को पहचानने, अपने अनुभवों से सीखने और एक शांतिपूर्ण तथा सार्थक जीवन जीने का रास्ता दिखाते हैं...

मनुष्य का मन, उसके भीतर छिपा दार्शनिक, प्रश्न पूछने का साहस, जीवन में लगातार होने वाला बदलाव और सादगी का महत्व: ये पाँच विषय जीवन को गहराई से समझने की प्रेरणा देते हैं। डॉ. सेठी के.सी. के ये पाँच दार्शनिक विचार हमें स्वयं को पहचानने, अपने अनुभवों से सीखने और एक शांतिपूर्ण तथा सार्थक जीवन जीने का रास्ता दिखाते हैं।

1.मन की गहराई को मापना संभव नहीं: "एक चीज जिसकी गहराई को हम वास्तव में कभी नहीं माप सकते, वह है हमारी अपनी सोच।"

मनुष्य का मन हमारे जीवन का सबसे निकट होते हुए भी सबसे रहस्यमय हिस्सा है। इसी के माध्यम से हम दुनिया को समझते हैं, अनुभवों से सीखते हैं, अपने विचार बनाते हैं और भविष्य के सपने देखते हैं। फिर भी हम अपनी सोच की पूरी गहराई को कभी नहीं जान पाते। बुद्धि को कुछ परीक्षणों से परखा जा सकता है। याददाश्त, तर्क करने की क्षमता और मस्तिष्क की गतिविधियों का भी अध्ययन किया जा सकता है। लेकिन इनसे किसी विचार की पूरी गहराई, उसके पीछे छिपी भावनाओं और उसके प्रभाव को नहीं समझा जा सकता। कभी-कभी एक छोटा-सा विचार किसी व्यक्ति का पूरा जीवन बदल देता है। हमारी सोच की गहराई केवल इस बात से नहीं मापी जाती कि हम कितना जानते हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि हम अपनी गलतियों को स्वीकार कर सकते हैं या नहीं, नई बातों को समझने के लिए तैयार हैं या नहीं और अपनी पुरानी मान्यताओं पर दोबारा विचार कर सकते हैं या नहीं। सच्ची समझ उसी में है जो यह भी जानता हो कि वह क्या नहीं जानता। सेटीयन फिलॉसफी के अनुसार मन केवल ज्ञान जमा करने का साधन नहीं, बल्कि लगातार सीखने और खोज करने का माध्यम है। हम अपने मन को जितना समझते हैं, उतना ही महसूस करते हैं कि अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। इसलिए मन को किसी एक संख्या या माप में बंधना संभव नहीं। स्वयं को जानने की यात्रा जीवन भर चलती रहती है।

2.मनुष्य के भीतर छिपा दार्शनिक: "आप जन्म से ही एक दार्शनिक थे; बस आपने स्वयं की आवाज सुनना छोड़ दिया।"

दार्शनिक बनने के लिए बड़ी-बड़ी किताबें पढ़ना या कठिन भाषा में बात करना जरूरी नहीं है। दार्शनिक वह है जो जीवन के बारे में प्रश्न पूछता है, अपने अनुभवों का अर्थ समझना चाहता है और हर बात को बिना सोचे स्वीकार नहीं करता। बच्चे स्वभाव से जिज्ञासु होते हैं। वे पूछते हैं कि आकाश नीला क्यों है, लोग एक-दूसरे से झगड़ते क्यों हैं, किसी को दुख क्यों मिलता है और जीवन में बदलाव क्यों आते हैं। ये प्रश्न बताते हैं कि सोचने और समझने की क्षमता मनुष्य में बचपन से ही होती है। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ समाज की अपेक्षाएँ, दूसरों की आलोचना का डर और सबकी तरह बनने का दबाव हमारी जिज्ञासा को कम कर सकते हैं। हम दूसरों के विचारों को दोहराना सीख जाते हैं, लेकिन अपने विचारों की जाँच करना भूल जाते हैं। स्वयं की आवाज सुनने का अर्थ यह नहीं कि हम अपनी हर भावना को सही मान लें। इसका अर्थ है कि हम ईमानदारी से अपने विचारों को परखें, अपनी गलतियों को पहचानें और यह समझने की कोशिश करें कि हम किसी बात को सच क्यों मानते हैं। सेटीयन फिलॉसफी के अनुसार दार्शनिक बनने की क्षमता किसी विशेष वर्ग तक सीमित नहीं है। यह हर मनुष्य में मौजूद है। जरूरत केवल जिज्ञासा, आत्मचिंतन और सच को स्वीकार करने के साहस की है। हमें कोई दूसरा व्यक्ति बनने की आवश्यकता नहीं। हमें केवल अपने भीतर उठने वाले प्रश्नों को सुनना और स्वयं को बेहतर ढंग से समझना शुरू करना है।

3.प्रश्न पूछने की शक्ति: "मानव प्रगति तब शुरू होती है, जब मन अपनी ही मान्यताओं पर प्रश्न उठाने का साहस करता है।"

मानव सभ्यता की प्रगति केवल ज्ञान बढ़ने से नहीं हुई है। इसके पीछे उन बातों पर प्रश्न उठाने का साहस भी रहा है, जिन्हें लंबे समय से सही माना जाता था। वैज्ञानिक नए प्रश्न पूछकर खोज करते हैं। समाज तब आगे बढ़ता है, जब लोग उन परंपराओं और व्यवस्थाओं पर विचार करते हैं जो मानवीय गरिमा के अनुकूल नहीं हैं। इसी तरह व्यक्ति का विकास तब शुरू होता है, जब वह अपनी आदतों, पूर्वाग्रहों और निर्णयों की समीक्षा करता है। दूसरों की गलतियाँ पहचानना आसान है, लेकिन अपनी गलतियों को स्वीकार करना कठिन है। कई बार हम अपने विचारों से इतने जुड़ जाते हैं कि सच जानने के बजाय उन्हीं विचारों को सही साबित करने में लग जाते हैं। सच्चे प्रश्न पूछने के लिए बौद्धिक साहस चाहिए। हमें यह स्वीकार करना पड़ता है कि हमारी जानकारी अधूरी हो सकती है और दूसरे व्यक्ति की बात में भी कुछ सच्चाई हो सकती है। प्रश्न पूछने का अर्थ हर बात का विरोध करना नहीं है। इसका अर्थ है कि हम तथ्यों, तर्कों और अनुभव के आधार पर किसी निष्कर्ष तक पहुँचें। सेटीयन फिलॉसफी में प्रश्न केवल जानकारी प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि स्वयं को परखने का तरीका भी है। एक सही प्रश्न हमारी पुरानी सोच की गलती दिखा सकता है और हमें एक नया रास्ता खोजने में सहायता कर सकता है। जो मन अपनी मान्यताओं पर कभी प्रश्न नहीं उठाता, वह निश्चित तो दिखाई दे सकता है, लेकिन उसका विकास रुक सकता है। प्रश्न करना कमजोरी नहीं, बल्कि समझ को गहरा करने का साहस है।

4.अनिवार्य परिवर्तन का सिद्धांत: "जीवन केवल अस्तित्व में रहने का नाम नहीं है; यह अनुभव, बदलाव और समझ के माध्यम से लगातार विकसित होने की प्रक्रिया है।"

मनुष्य जीवन में जन्म लेता है, लेकिन जीवन के अनुभव उसे लगातार बदलते रहते हैं। बचपन, युवावस्था और



बुढ़ापे तक हमारी सोच, समझ और व्यवहार में अनेक परिवर्तन आते हैं। हम भले ही स्वयं को वही व्यक्ति मानते रहे, लेकिन समय और अनुभव हमें पहले जैसा नहीं रहने देते। हम अपनी उम्र बढ़ने से नहीं रोक सकते। न ही जीवन के सभी अनुभवों और परिस्थितियों को अपनी इच्छा के अनुसार चुन सकते हैं। कई बार हमें यह भी समझ नहीं आता कि कोई घटना हमें किस तरह बदल रही है। इस अर्थ में बदलाव जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन किसी अनुभव से हम क्या सीखते हैं और उसके बाद किस तरह का व्यक्ति बनते हैं, इसमें हमारी सोच और निर्णयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दुख किसी व्यक्ति को अधिक संवेदनशील बना सकता है, लेकिन उसे भयभीत भी कर सकता है। सफलता आत्मविश्वास बढ़ा सकती है, लेकिन कभी-कभी अहंकार भी पैदा कर सकती है। इसलिए केवल अनुभव होना पर्याप्त नहीं है। उससे सीखना और स्वयं को बेहतर बनाना भी जरूरी है। सेटीयन फिलॉसफी का "अनिवार्य परिवर्तन का सिद्धांत" (The Law of Unavoidable Becoming) इसी विचार को सामने रखता है कि मनुष्य कोई पूर्ण और स्थिर इकाई नहीं है। वह जीवन भर बनता, सीखता और बदलता रहता है। हमारा अतीत हमारे अनुभवों का हिस्सा है, लेकिन वह हमारा पूरा भविष्य तय नहीं करता। अपनी कमियों को स्वीकार करना और उन्हें सुधारने का प्रयास करना हमारे हाथ में है। हम जीवन के हर बदलाव को रोक नहीं सकते, लेकिन उसके प्रति अपनी सोच को बेहतर बना सकते हैं। सार्थक जीवन केवल समय बिताने में नहीं, बल्कि समय और अनुभवों के साथ अपनी समझ को गहरा करने में है।

5.सादगी का सौंदर्य: "सादगी एक ऐसा गुण है, जो शांतिपूर्ण जीवन जीने में हमारी सहायता करता है।"

सादगी का अर्थ यह नहीं है कि मनुष्य महत्वाकांक्षी न हो, उसके पास कम ज्ञान हो या वह जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा न रखे। सादगी का वास्तविक अर्थ है वह समझना कि जीवन में क्या जरूरी है और क्या केवल हमारी इच्छाओं तथा दिखावे का हिस्सा है। आज का जीवन अक्सर हमें दूसरों से अपनी तुलना करना सिखाता है। धन, प्रशिक्ष, प्रसिद्धि और दूसरों की प्रशंसा को सफलता का मापदंड मान लिया जाता है। इन्हें पाने की दौड़ में हम कई बार इतनी जिम्मेदारियाँ और अपेक्षाएँ अपने ऊपर ले लेते हैं कि जिस शांति की तलाश में हम आगे बढ़ रहे थे, वही हमसे दूर हो जाती है। सादगी हमें एक दूसरा रास्ता दिखाती है। यह हमें सिखाता है अधिक रिश्तों को, प्रसिद्धि से अधिक अच्छे काम को और दूसरों से तुलना करने के बजाय स्वयं को समझने को महत्व देना सिखाती है। सादगी का अर्थ प्रगति या जिम्मेदारी से दूर भागना नहीं है। एक सरल जीवन में भी बड़े लक्ष्य, अच्छी शिक्षा, उत्कृष्ट कार्य, रचनात्मकता और दूसरों की सेवा के लिए पूरा स्थान हो सकता है। सादगी का अर्थ है आवश्यक और अनावश्यक के बीच अंतर समझना। जब हमारी इच्छाएँ सीमित और अपेक्षाएँ व्यावहारिक होती हैं, तब जीवन का बोझ हल्का महसूस होने लगता है। सेटीयन फिलॉसफी के अनुसार सादगी मन की स्पष्टता है। इसके लिए जरूरी नहीं कि हम हर बार बाहरी दुनिया को बदलें। कभी-कभी हमें केवल दुनिया को देखने और उससे जुड़ने का अपना तरीका बदलना होता है। सादगी में विनम्रता भी शामिल है। हमें हर समय दूसरों के सामने अपनी योग्यता साबित करने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। जब हम अनावश्यक इच्छाओं और दिखावे का बोझ कम करते हैं, तब जीवन में मौजूद छोटी-छोटी खुशियों को पहचान पाते हैं। शांति की शुरुआत तब होती है, जब हम जीवन से हर चीज की माँग करने के बजाय, जो हमारे पास है उसके लिए आभारी होना सीखते हैं। निष्कर्ष : सार्थक जीवन के पाँच आधार डॉ. सेठी के.सी. के ये पाँच दार्शनिक विचार जीवन को समझने के पाँच महत्वपूर्ण रास्ते प्रस्तुत करते हैं। मन की अथाह गहराई हमें विनम्रता भी सिखाती है और रिखाती है कि हमारा ज्ञान हमेशा अधूरा हो सकता है। मनुष्य के भीतर छिपा दार्शनिक हमें अपनी जिज्ञासा और आत्मचिंतन को फिर से जगाने की प्रेरणा देता है। प्रश्न पूछने की शक्ति हमें अपनी मान्यताओं की जाँच करने और सच की खोज करने का साहस देती है। अनिवार्य परिवर्तन का सिद्धांत हमें समझाता है कि जीवन एक निरंतर विकास की प्रक्रिया है। सादगी का सौंदर्य हमें अनावश्यक इच्छाओं से मुक्त होकर शांतिपूर्ण और सार्थक जीवन जीना सिखाता है।

इन सभी विचारों का मूल संदेश है कि बुद्धिमत्ता केवल अधिक जानने में नहीं, बल्कि स्वयं को समझने, प्रश्न पूछने, अनुभवों से सीखने और जीवन को सही दृष्टि से जीने में है।

डॉ. सेठी के.सी. के विचारों को एक पंक्ति में इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है: "अपने मन को समझिए, अपने प्रश्नों को सुनिए, बदलाव को स्वीकार कीजिए और अपनी इच्छाओं को सरल बनाइए; क्योंकि सार्थक जीवन केवल अधिक जानने में नहीं, बल्कि जीवन को बेहतर ढंग से समझने और जीने में है।"

- डॉ. सेठी के.सी.

लेखक एवं सेटीयन फिलॉसफी के रचयिता दमण-भारत, ऑकलैंड, न्यूजीलैंड

पंजाब में नशे का तांडव: वर्दी बनी त्रासदी



छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिवर्जनों पर बोझ बन रहा है। ह्वाघर का चिराग ही घर में अंधेरा कर देहू, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करो को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रा मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की सर्पति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठता है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्तों के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। हदमर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा

कीहू जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी। मुम्बई पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकती। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। ह्दय का दूध और पानी का पानीहू करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पद के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पाटी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करो के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन

सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियाव्यवन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करो तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई।

नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगे और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करें, तब आत्ममंथन टालना आचयाती होगा। ह्दलकीर पीटनेहू के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और जवाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफिया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्याय, नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचाता रहेगा।



ललित गर्ग

पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कमी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है।

संपादकीय

मर्ज का वाजिब खर्च

अक्सर मरीजों द्वारा उपचार के दौरान मनमाने दाम वसूलने और कीमतों में पारदर्शिता के अभाव के आक्षेप लगाये जाते रहे हैं। ये केवल पांच सितारा अस्पतालों के संदर्भ में ही नहीं है, क्लिनिकों,सरकारी अस्पतालों में उपचार के दौरान उपचार खर्च में पारदर्शिता के अभाव का जिक्र होता है। जो अक्सर कमजोर वर्गों व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों के लिये रोग से बड़ा सिरदर्द बन जाता है। इस समस्या के मद्देनजर ही केंद्र सरकार ने सभी राज्यों सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों और क्लीनिकों में स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्क प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएं। निस्संदेह, इसे सरकार की ओर से एक अधिक पारदर्शी और मरीजों के अनुकूल व्यवस्था बनाने की दिशा में यह स्वागत योग्य कदम कहा जा सकता है। अक्सर देखने में आता है कि इलाज के लिये आने वाले मरीजों को उपचार में होने वाले खर्च की स्पष्ट जानकारी नहीं होती। इसमें दो राय नहीं कि परामर्श शुल्क, जांच यानी डायग्नोस्टिक टेस्ट, इलाज की प्रक्रियाओं और अस्पताल में उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं के बारे में स्पष्ट जानकारी होने से मरीजों को सही फैसला लेने में मदद मिलेगी। साथ ही वे अचानक सामने आने वाले वित्तीय बोझ से बच सकेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मुख्य सचिवों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि नियमों का पालन हो रहा है या नहीं। दरअसल, क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 और क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स (केंद्र सरकार) निगम 2012 के तहत अस्पतालों और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के लिये यह अनिवार्य किया गया है कि वे अपनी सेवाओं और सुविधाओं के शुल्क को ऐसी जगह प्रदर्शित करें,जहां मरीज व उनके तिमरदार आसानी से देख सकें। सेवाओं व सुविधाओं की फीस अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में लिखी चाहिए। हालांकि, इससे बचाव के को लेकर सरकारी व निजी अस्पतालों के संचालकों की दलील है कि उपचार की कीमतों की तय सीमा निर्धारित किए जाने से उपचार की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। दरअसल, कई प्राइवेट अस्पताल व क्लिनिकों के संचालक इन निर्देशों को लागू करने के बाबत तमाम तरह के किंतु-परंतु गिनाते हैं। उनकी दलील है कि इन नियमों को लागू करने से उपचार की आर्थिक व्यवहार्यता कमजोर हो सकती है। जिसके चलते उपचार की परिचालन लागत, बुनियादी ढांचे और क्लिनिकल विशेषज्ञता में अंतर को नजरअंदाज किया जा सकता है। निस्संदेह, इन चिंताओं पर विचार तो जरूर किया जाना चाहिए, लेकिन इन्हें कीमतों से जुड़ी जरूरी जानकारी छिपाने का बहाना नहीं बनाया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक अच्छी सुविधाओं वाले प्राइवेट अस्पताल और सरकारी अस्पताल की लागत संरचना में अंतर होना स्वाभाविक है। लेकिन फिर भी, मरीजों को इलाज के लिये सहमति देने से पहले यह जानने का अधिकार तो होना ही चाहिए कि उनकी जेब कितनी ढीली होने वाली है।

चिंतन-मनन

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंडल के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे। तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक वह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अतः कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त जानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे। आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उतर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनको सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोई मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है।

भले ही कोई लाखों वर्षों तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

त्योहार भारतीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक जीवन की आत्मा हैं। दीपावली होली जैसे पर्व केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं हैं बल्कि वे समाज में आपसी सद्भाव, उल्लास और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने का माध्यम भी हैं। ऐसे में जब हर वर्ष त्योहारों के आसपास प्रदूषण की मुद्दा उठता है और पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग जोर पकड़ती है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या प्रदूषण रोकने की जिम्मेदारी केवल त्योहार मनाने वाले लोगों की है। पर्यावरण संरक्षण निस्संदेह जरूरी है लेकिन इसके नाम पर किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं और परंपराओं को लगातार कठघरे में खड़ा करना भी उचित नहीं है। जरूरत ऐसी नीति की है जो पर्यावरण की रक्षा करे और लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता तथा उत्सव मनाने की भावना का भी सम्मान करे।



मनोज कुमार अग्रवाल



मनोज कुमार अग्रवाल

मेरठ के बहुचर्चित नीला ड्रम कांड में सौरभ राजपूत की कालित उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को फांसी की सजा सुनाई गई है।पतिहता महिला को पहली बार देश में फांसी की सजा सुनाई गई है। मुस्कान और साहिल ने सौरभ के पांच टुकड़े करके नीले ड्रम में सीमेंट डाल कर जमा दिए थे। यह समूचे समाज को भीतर तक झकझोरने वाला हत्याकांड रहा, जिसने भारतीय परिवारिक सामाजिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। क्या कोई विवाहित महिला ऐसा भी कर सकती है? जिस दंपति के एक छोटी बच्ची हो, जिसका पति उसको बेपनाह प्यार करता हो, लेकिन विवाहित युवती ने न अपना भविष्य देखा और न बच्ची का... वह वासना पर कथित प्यार में ऐसी अंधी हुई कि अपने प्रेमी के साथ मिल कर पति के ही पांच टुकड़े कर दिए। बुधवार की जब कोर्ट ने मुस्कान से पूछा कि तुमको क्या सजा दी जाए ? तो उसने सिर्फ इतना कहा, मेरी बच्ची छोटी है। जाहिर है, उसका अपराध दया माफी के काबिल बिल्कुल नहीं था। यहाँ अदालत में न्याय के तख्त पर आसीन न्यायाधीश ने महाभारत के जिस श्लोक का अपने निर्णय में उल्लेख किया है वह गौरतलब है- निर्वनी वधृत्ये व्याघ्रो निव्याघ्रं छिद्यते वनम-तस्माद्व्याघ्रो वनं रक्षेद् वनं व्याघ्रं च पालयेत्।। इसका अर्थ है कि बिना वन (जंगल) के बाघ मारा जाता है और बिना बाघ के जंगल काट दिया जाता है। इसलिए बाघ को वन की रक्षा करना चाहिए और वन को बाघ का पालन-पोषण करना चाहिए। इस श्लोक के माध्यम से अदालत ने समाज और कानून

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर सोमवार को उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस बरस को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कम प्रदूषण वाले विकल्प अपनाने और लोगों को जागरूक करने की जरूरत बताई। न्याय मित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने भी पटाखों से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव का उल्लेख किया। मामले में अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। भारत में दीपावली पर दीप जलाने, परिवार के साथ खुशियां बांटने और परंपरागत रूप से आतिशबाजी करने की प्रथा लंबे समय से चली आ रही है। समय के साथ उत्सव मनाने के तरीके बदले हैं, लेकिन त्योहारों का मूल भाव प्रकाश, आनंद और सामाजिक एकता ही रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि परंपराओं को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जाए। कम धुआं पैदा करने वाले प्रमाणित पटाखों, निर्धारित समयसीमा और नियंत्रित आतिशबाजी जैसे विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। लोगों को जागरूक करके भी प्रदूषण कम किया जा सकता है। केवल प्रतिबंध लगा देने से समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। प्रतिबंध के साथ निगरानी, जनसहभागिता और प्रभावी क्रियान्वयन

मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा समाज को संदेश

या दंड के बीच के परस्पर संबंधों को समझाया। जज ने स्पष्ट किया कि दंड भी धर्म है, यानी समाज की रक्षा के लिए अपराधी को उसके अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड देना बेहद जरूरी है, ताकि समाज में संतुलन बना रहे।उन्होंने फैसला पढ़ना शुरू किया।इससे पहले उन्होंने अहम टिप्पणी में कहा कि दंड भी धर्म है. उन्होंने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि दंड को भी धर्म ही बताया गया है, यानी अपराधी को दंड देना धर्म है. आपको क्रमवार याद दिला दें कि 24 फरवरी 2025 को मर्चेंट नेवी अफसर सौरभ राजपूत लंदन से वापस मेरठ लौटे और इंदिरा नगर स्थित अपने घर पहुंचे.25 फरवरी 2025 को सौरभ के घर में उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी का जन्मदिन मनाया गया.28 फरवरी 2025 को उनकी बेटी पीहू का जन्मदिन मनाया गया.3 मार्च 2025: अनियोजन पक्ष के अनुसार, साजिश के तहत सौरभ को भी को दवा दी गई और उसके बाद उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को घर बुलाया गया, जहां सौरभ की बेरहमी से हत्या कर दी गई. इसके बाद शव के टुकड़े कर उसे सीमेंट भरकर एक नीले ड्रम में सील कर दिया गया.4 मार्च 2025: इस दिन मुस्कान अपनी बेटी को मायके छोड़कर साहिल के साथ शिमला घूमने निकल गई और सौरभ के फोन से मैसेज भेजकर परिवार को धोखे में रखा.17 मार्च 2025: शिमला से लौटने के बाद जब मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने जांच शुरू की, तो घर के अंदर रखे नीले ड्रम से सौरभ राजपूत के शव के टुकड़े बरामद किए गए. पुलिस ने आरोपी मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया. आपको बता दें कि 14 अक्टूबर को मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया था. इससे पहले अदालत ने 30 सितंबर को मुस्कान और साहिल को सौरभ राजपूत की हत्या करने और उनके शव को छिपाने की कोशिश के मामले में दोषी करार दिया था. करीब 13 महीने तक चले मुकदमे में कुल 126 सुनवाई हुईं, जिसके बाद अदालत ने दोनों को सजा सुनाई. आपको बता दें कि सौरभ हत्या कांड के बाद कुछ और केस सामने आए। इन पर भी अदालतें देर संबर फैसला सुनाएंगी। इसी माह की 16 तारीख को मेरठ के ही एक और केस का फैसला आना है, जिसमें

भी जरूरी है। यह सवाल भी उठता है कि यदि पटाखों से होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाए जा सकते हैं तो पराली जलाने पर प्रभावी रोक लगाने के लिए वैसी ही गंभीरता क्यों नहीं दिखाई देती। किसानों की अपनी व्यावहारिक कठिनाइयां हैं। फसल कटाई के बाद खेतों को समय पर तैयार करना, मशीनों की उपलब्धता और अवशेषों के निस्तारण की लागत उनके सामने वास्तविक चुनौतियां हैं। इसलिए किसानों को केवल दंडित करना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें वैकल्पिक मशीनें, आर्थिक सहायता और पराली के उपयोग की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध करानी चाहिए। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई भी होनी चाहिए। किसान, उद्योग, वाहन चालक और आम नागरिक सभी पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी साझा करें, तभी संक्षेप परिणाम मिलेंगे। होली के अवसर पर भी पानी की कमी का मुद्दा उठता है। जल संरक्षण की चिंता बिल्कुल उचित है, लेकिन उसका समाधान भी संतुलित होना चाहिए। लोगों को पानी बचाने, सूखे रोगों का इस्तेमाल करने और अनावश्यक जल व्यय से बचने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इसी प्रकार दीपावली पर पर्यावरण के अनुकूल उत्सव मनाने के लिए जनजागरण अभियान चलाए जा सकते हैं। समाज को साथ लेकर चलने वाली व्यवस्था अधिक प्रभावी होती है। त्योहारों को लेकर हर वर्ग विवाद खड़ा करने के बजाय सरकार, प्रशासन, पर्यावरण विशेषज्ञों और धार्मिक

संगठनों को मिलकर ऐसे उपाय विकसित करने चाहिए जो परंपराओं और प्रकृति दोनों की रक्षा करें। उच्चतम न्यायालय ने भी सुनवाई के दौरान इस बात पर ध्यान दिया कि किसी आदेश को लागू करने से पहले उसकी व्यावहारिकता देखना जरूरी है। यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है। किसी भी प्रतिबंध का उद्देश्य तभी पूरा होता है जब उसका पालन संभव हो, निगरानी की व्यवस्था स्पष्ट हो और जनता उसमें सहयोग करे। लोगों को यह समझाना जरूरी है कि कौन से पटाखे अधिक हानिकारक हैं और किन विकल्पों से नुकसान कम किया जा सकता है। जागरूकता, जिम्मेदारी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सकता है। अतः पर्यावरण संरक्षण और धार्मिक आस्था को आमने-सामने खड़ा करना उचित नहीं है। स्वच्छ वातावरण भी जरूरी है और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान भी। किसी की खुशियों पर अनावश्यक रोक लगाने के बजाय प्रदूषण के सभी स्रोतों पर समान गंभीरता से कार्रवाई होनी चाहिए। उच्चतम न्यायालय की आगामी सुनवाई से यह उम्मीद की जा सकती है कि ऐसा रास्ता निकलेगा जिसमें नागरिकों के स्वास्थ्य, धार्मिक स्वतंत्रता और पर्यावरण संरक्षण के बीच उचित संतुलन कायम हो। प्रदूषण के नाम पर ज़्यादाती नहीं होनी चाहिए, लेकिन पर्यावरण के प्रति लापरवाही को भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। समाधान प्रतिबंधों की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि निष्पक्ष नियमों, प्रभावी व्यवस्था और सामूहिक जिम्मेदारी में छिपा है।

ही सवालों के घेरे में ला दिया। सोशल मीडिया पर नीला ड्रम ऐसे छा गया, मानो उसका ही कस्ूर था। हालात न-एक काले का मंजर देखकर पुलिस टीम के भी गंतंगे खड़े हो गए, जब नीले ड्रम में सौरभ राजपूत टुकड़े-टुकड़े होकर जमा पड़ा था। अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े करना, उन्हें छिपाने लगाना या साक्ष्य नष्ट करना जांच में महत्वपूर्ण परिस्थितियां रहें। न्याय का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि कानून के प्रति समाज का विश्वास बनाए रखना भी है। नीला ड्रम कांड के बाद पति की हत्या से जुड़े दूसरे चर्चित मामलों की चर्चा ने एक गंभीर सवाल खड़ा किया है। क्या वैवाहिक रिश्तों में हिंसा और प्रतिशोध की प्रवृत्ति बढ़ रही है? इसका उत्तर केवल सुविधियों और वायरल खबरों से नहीं दिया जा सकता। ये घटनाएं सामाजिक विकृतियों पर आत्ममंथन की मांग करती हैं। आर्थिक अपेक्षाएं, विवाहेत संबंधों को लेकर विवाद, संदेह, अहंकार, सहिष्णुता के झगड़े और पारिवारिक हस्तक्षेप आज इसके कई कारक हैं। ऐसे जघन्य अपराधों में फांसी की सजा केवल एक नजिर है। जिस पलियर रिश्ते का खून हुआ, उसकी कहां सुनवाई होगी ? नीला ड्रम कांड में सुनाई गई सजा एक चेतावनी भी है। अपराध की भयावहता केवल शव छिपाने के तरीके में नहीं, उस मानसिकता में भी है जो किसी ईसान की जान लेने को समस्या का समाधान समझती है। इस मानसिकता को बदलने के लिए कानून, परिवार, शिक्षा और समाज-सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी।

सोशल मीडिया के इस दौर में तमाम तरह का अनैतिक असमाजिक और रिश्तों की पवित्रता को नष्ट करने वाली रील और सामग्री को वायरल कर परिवार व समाज को दूषित किया जा रहा है और नयी पीढ़ी में वैचारिक प्रदूषण का बीजारोपण कर भारतीय संस्कृति समाज और परिवार को तोड़ने का अघम काम किया जा रहा है। सबसे अहम सवाल है कि विवाह परंपरा को कैसे पुनर्जीवित और मजबूत बनाया जाए। सवाल यही है कि सात फेरों में साथ जीने-मरने का वादा करने वाले रिश्ते में आखिर ज़िंदगी इतनी सरती कैसे हो गई?इस गंदगी और अपराध की सोच को अंकुरित होने से पहले ही खत्म करना होगा तभी परिवार नाम की संस्था को बचाया जा सकता है।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो 17-22 अक्टूबर तक उज्बेकिस्तान और भारत की यात्रा करेंगे, जामनगर का दौरा भी होगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने के लिए अगले हफ्ते भारत के दौरे पर जाएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। रुबियो पहले उज्बेकिस्तान के समरकंद जाएंगे और फिर 17-22 अक्टूबर तक भारत के मुंबई और जामनगर जाएंगे, ऐसा बताया गया। मई के बाद से यह रुबियो का दूसरा भारत दौरा होगा, जब उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर की होस्ट की गई व्हाइट हाउस मिनिरस्टर्स की मीटिंग में हिस्सा लिया था। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'वह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, क्षेत्रीय और वैश्विक आयाम पर विचारों का आदान-प्रदान करने और बेहतर ऊर्जा सहयोग की भावनाओं पर चर्चा करने के लिए वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे।' इसमें कहा गया है कि रुबियो व्यावसायिक निवेश और आर्थिक सहयोग के मौकों को बढ़ावा देने के लिए बिजनेस लीडर्स से भी मिलेंगे। रुबियो का जामनगर दौरा बहुत जरूरी है क्योंकि यह रिलायंस की रिफाइनरी का घर है, जो दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-साइट फैसिलिटी है, जिसकी कैपेसिटी हर दिन 1.4 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल प्रोसेस करता है। मार्च में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनाउंस किया था कि अमेरिका रिलायंस इंडस्ट्रीज के इन्वेस्टमेंट से 50 साल में अपनी पहली रिफाइनरी बनाएगा।

फलाईदुबई मामले के बाद पाकिस्तान के पायलटों पर एक्शन, इंजराइल जाने वाली फलाइट्स उड़ाने पर फ्रांस ने लगाई रोक

आबुधाबी, एजेंसी। एयर फ्रांस एयरलाइन ने पाकिस्तान के पायलटों और कैबिन क्रू (फ्लाइट स्टाफ) को इंजराइल आन-जाने वाली फलाइट्स को उड़ाने या उनमें काम करने से मना कर दिया है। एयर फ्रांस उन नियमों का कड़ाई से पालन कर रही है, जिनके तहत जिन देशों के आपस में राजनीतिक या कूटनीतिक संबंध नहीं हैं जैसे पाकिस्तान और इंजराइल, उनके नागरिकों को उस रूट पर ड्यूटी नहीं दी जाएगी। अमेरिकी एयरलाइन यूनाइटेड एयरलाइंस और चेक एयरलाइन स्मार्टविंग्स ने भी इन नियमों का पालन करना शुरू कर दिया है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि राष्ट्रीयता के आधार पर लगाई गई पाबंदियां अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन संवालय को कैसे प्रभावित कर सकती हैं। इस सख्ती के पीछे की वजह 30 सितंबर, 2026 को दुबई से तेल अवीव जाने वाली फलाईदुबई की घटना को माना जा रहा है। फ्लाइट में ओमान के को-पायलट ने कोकपिट में किए गए हमले के बाद बरती जा रही है। आरोप है कि को-पायलट ने फ्लाइट पर कंट्रोल करने की कोशिश में भारतीय कंट्रोल पर हमला किया था। ओमान भी उन देशों की सूची में शामिल है, जिसके इंजराइल देश के साथ कोई अधिकारिक या राजनीतिक संबंध नहीं है। फ्रांस के खोजी मीडिया संस्थान 'मीडियापार्ट' और एविगेशन इंटील्लिजेंस कंपनी ने 13 अक्टूबर 2026 को अपनी रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी है। इन रिपोर्टों के अनुसार, एयर फ्रांस और यूनाइटेड एयरलाइंस ने अपने सभी पायलटों और कैबिन क्रू को इस रूट पर लगाए गए दी सूखसा प्रतिबंधों के बारे में पूरी जानकारी दे दी है।

होर्मुज स्ट्रेट में सिंगापुर के दो कंटेनर जहाजों पर हमला, एक समुद्र में डूबा; सभी 43 क्रू मंबर सुरक्षित

सिंगापुर, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के टकराव के कारण मध्य एशिया के लिए ऊर्जा का प्रमुख मार्ग होर्मुज स्ट्रेट संवेदनशील बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रही जहाज सुरक्षित नहीं है। इसी बीच इस मार्ग से गुजर रहे सिंगापुर में पंजीकृत दो कंटेनर जहाजों पर मंगलवार और बुधवार को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला किए जाने की खबर है। इस घटना में एक जहाज में आग लगने के बाद वह डूब गया, जबकि दूसरे जहाज को भी नुकसान पहुंचा। बुधवार को सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण ने यह जानकारी दी। सिंगापुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार जीएफएस प्राइड नामक जहाज हमले में क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई, जिसके बाद वह डूब गया। जहाज पर सवार सभी 21 चालक दल के सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दूसरे जहाज जीएफएस मिगेल के बाहरी ढांचे को नुकसान पहुंचा। हालांकि, जहाज अपने इंजन की मदद से सुरक्षित बंदरगाह तक पहुंचने में सफल रहा। इस जहाज पर चालक दल के 22 सदस्य सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। एमपीए ने बताया कि दोनों जहाजों में कोई सिंगापुरी नागरिक सवार नहीं था।

ट्रंप की नई प्रेस सचिव की डिग्री पर उठे सवाल? खुद को लेकर कर रही वकील होने का दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई प्रेस सचिव कंटी जकारिया इन दिनों अपनी योग्यता को लेकर विवादों में हैं। खुद को वकील बताने वाली जकारिया के पास कानून की डिग्री तो है, लेकिन अब तक ऐसा कोई रिकॉर्ड सामने नहीं आया है, जिससे साबित हो कि उन्होंने अमेरिका के किसी राज्य में वकालत का लाइसेंस हासिल किया है। चीन की एक लॉ फर्म में काम करने के उनके दावे पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ट्रंप के सामने सवाल, जवाब अधूरा : मंगलवार को पहली बार प्रेस सचिव के तौर पर मीडिया के सामने आई जकारिया को अपने प्रदर्शन के लिए आलोचना झेलनी पड़ी। इसके बाद पत्रकारों ने ट्रंप से पूछा कि उन्होंने किस राज्य में वकालत की परीक्षा पास की है। ट्रंप ने जवाब देने के लिए जकारिया को आगे कर दिया। उन्होंने कहना शुरू किया, 'जब मैं चीन गई थी...' लेकिन मरीन वन हेलीकोप्टर की आवाज के कारण उनकी बात पूरी तरह सुनाई नहीं दी। यह भी साफ नहीं हो सका कि वह आगे क्या कहना चाहती थीं।

डिग्री है, लेकिन लाइसेंस का रिकॉर्ड नहीं : जकारिया ने 2007 में पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से स्नातक और 2011 में पेपरडाइन कास्को स्कूल ऑफ लॉ से कानून की डिग्री हासिल की थी। हालांकि, कानून की



डिग्री होना और वकालत का लाइसेंस मिलना अलग-अलग बातें हैं। व्हाइट हाउस ने उनके बयान के हवाले से कहा कि उन्होंने सभी जरूरी योग्यताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय लेनेदन से जुड़े कानून के क्षेत्र में काम किया है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने भी उनका बचाव करते हुए उन्हें बेहद योग्य और तेज दिमाग वाला बताया।

चीन की लॉ फर्म में भी किया काम : जकारिया की लिंकडइन प्रोफाइल के मुताबिक, वह जून 2026 से ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप में वरिष्ठ संचार सलाहकार थीं। इससे पहले वह अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग में भी काम कर चुकी हैं। उनकी प्रोफाइल में

2011 से 2013 के बीच बीजिंग की झोंग लुन लॉ फर्म में अंतरराष्ट्रीय कानूनी मामलों से जुड़े काम का जिक्र है। इसके अलावा, वह प्रवासी मजदूरों के बच्चों के लिए काम करने वाले संगठन और कैलिफोर्निया के एक राजनीतिक संगठन से भी जुड़ी रही हैं। उनके पुराने परिचय में विश्व बैंक और इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन से जुड़े मामलों में कानूनी सलाह देने के अनुभव का भी दावा किया गया है।

50 राज्यों में नहीं मिला लाइसेंस का रिकॉर्ड : कैलिफोर्निया स्टेट बार के प्रवक्ता के मुताबिक, संस्था के पास कंट शेरोन जकारिया या कंट शेरोन ब्लैक नाम से वकालत का लाइसेंस होने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। स्वतंत्र मीडिया संस्थान पॉपुलर इन्फर्मेेशन ने भी दावा किया कि अमेरिका के सभी 50 राज्यों और वाशिंगटन डीसी में उनके लाइसेंस का रिकॉर्ड नहीं मिला। इसके बाद निगरानी संगठन कैपेन फॉर अकाउंटेबिलिटी ने कैलिफोर्निया स्टेट बार में शिकायत देकर मामले की जांच की मांग की। संगठन का कहना है कि बिना लाइसेंस के खुद को वकील बताना कानून का उल्लंघन हो सकता है।

फिलहाल, स्टेट बार ने गोपनीयता नियमों का हवाला देते हुए शिकायत या जांच की पुष्टि नहीं की है। ऐसे में जकारिया की पेशेवर योग्यता पर विवाद बना हुआ है।

अमेरिका ने यूक्रेन को गझाघार में छोड़ा?: जेलेंस्की ने ट्रंप के सलाहकारों पर उठाए सवाल

लंदन, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को रूस के साथ डीजल आपूर्ति समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना की। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी ईंधन आयात करने पर सहमत होकर वाशिंगटन ने गलत पक्ष पुनः है। उन्होंने ट्रंप से रॉकवो के खिलाफ युद्ध में कीव का समर्थन करने की अपील की। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, ब्रिटिश शो 'डियर्स गॉर्गल अनसेंस' पर जेलेंस्की ने कहा, 'जब राष्ट्रपति ट्रंप हमारा पक्ष नहीं, बल्कि किसी एक पक्ष का साथ देते हैं, तो यह दुःखद होता है। लेकिन हमें इस बात से कोई आपत्ति नहीं है कि वह बीच का रास्ता अपना रहे हैं। लेकिन अगर आप बीच का रास्ता अपनाते हैं तो आपको बीच में ही रहना होगा। गलत पक्ष में नहीं।' जेलेंस्की ने इस मुद्दे पर ट्रंप को मिल रही सलाह पर भी सवाल उठाया और कहा, 'मुझे लगता है कि उनके सलाहकार गलत हैं। मुझे नहीं पता कि उन्हें कौन उकसा रहा है। सभी पक्ष की ओर नहीं, यह इतिहास का सही पक्ष नहीं है।' संसत्कार ने जेलेंस्की ने कहा कि इस घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि यूक्रेन एक महत्वपूर्ण सहयोगी का समर्थन छो रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ट्रंप द्वारा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक समझौते की घोषणा के बाद आई है।

ईरान के साथ युद्ध जल्द खत्म होगा, ऊर्जा कीमतों में तेजी से आएगी गिरावट', ट्रंप का नया दावा

वाशिंगटन, एजेंसी। एरिजोना से मोंटाना में एक चुनावी रैली के लिए रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध बहुत जल्द खत्म हो जाएगा। उनका दावा है कि युद्ध खत्म होने के बाद तेल और ऊर्जा की कीमतों में गिरावट आएगी, जिससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को भी फायदा होगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिया जाएगा। हालांकि, ट्रंप ने यह नहीं बताया कि युद्ध कब तक खत्म होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि इस संबंध में ईरान के साथ कोई बातचीत चल रही है या नहीं। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अपने मुख्य सैन्य लक्ष्य में सफल रहा है, जो ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना था। यह युद्ध बहुत जल्द खत्म हो जाएगा। इससे पहले एरिजोना के बुलहेड सिटी में आयोजित एक चुनावी रैली में ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और उसके असर पर विस्तार से बात की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी हमलों ने

ईरान की सैन्य ताकत को काफी कमजोर कर दिया है, जिसमें उसकी नौसेना और वायुसेना की क्षमताएं भी शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि सैन्य कार्रवाई इतनी व्यापक रही कि अब अमेरिका के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया है कि बातचीत किस ईरानी अधिकारी से की जाए। उन्होंने कहा, 'शायद मैं बहुत आगे निकल गया। मुझे नहीं पता कि आखिर बात किससे करनी है।' यह टिप्पणी उन्होंने ईरानी नेतृत्व के कई स्तरों को हटाए जाने के संदर्भ में की। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित कर लिया है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, जिसके जरिए बड़ी मात्रा में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस दुनिया भर में भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि हमने होर्मुज स्ट्रेट पर पूरा नियंत्रण हासिल कर लिया है और इस समय वहां ईरान की तुलना में अधिक तेल बाहर जा रहा है। ट्रंप के मुताबिक, यह स्थिति अमेरिकी नौसैनिक अभियानों की वजह से संभव हुई है। उन्होंने इन अभियानों को 'स्टील की दीवार' जैसा बताया।

जयशंकर ने यूएई के विदेश मंत्री अल-नाहयान से की मुलाकात, द्विपक्षीय संबंधों और वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा

अबू धाबी, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर आधिकारिक दौरे पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पहुंचे, जहां उन्होंने अपने समकक्ष अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-यूएई संबंधों और कई वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्'स' पर लिखा, 'यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ गर्मजोशी और सार्थक मुलाकात हुई। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी की भावना के तहत द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।' विदेश मंत्री बुधवार को अबू धाबी पहुंचे, जहां यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमि ने उनका स्वागत किया। इससे पहले, जयशंकर ने 'रायसीना डायलॉग' के मध्य पूर्व सत्र 'द वर्ल्ड अहेड: पावर, पर्वज एंड पॉसिबिलिटी'



में अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ हिस्सा लिया। नाहयान यूएई के उप प्रधानमंत्री भी हैं। कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं ने कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की और बहुपक्षीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया। जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा कि बैठक में इस बात पर औपचारिकता दी गई कि दुनिया की व्यवस्था तेजी से बदल रही है। यह बदलाव लंबे समय से चल रहे रूझानों के हल की घटनाओं, दोनों का नतीजा

है। उन्होंने कहा, 'हर देश अपनी परिस्थितियों के अनुसार प्रतिक्रिया देता है। इसी वजह से नए साझेदारों और नए विकल्पों की तलाश स्वाभाविक है।' जयशंकर ने कहा कि आज की साझेदारियां पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर अधिक रणनीतिक समझ विकसित करने की मांग करती हैं। उन्होंने कहा कि बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार बहुत जरूरी है और इसे छोटे लेकिन मजबूत सहयोगी समूहों के जरिए समर्थन दिया जा सकता है।

पिछले एक दशक में भारत-यूएई साझेदारी इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि कैसे दोनों देशों ने बदलते वैश्विक माहौल के अनुसार खुद को ढाला है। उनका यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब पूरे क्षेत्र में तनाव बना हुआ है। ईरान में जारी संघर्ष और यमन में हूटी समूह तथा सऊदी अरब के बीच बढ़े तनाव ने क्षेत्र की स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है। इस बीच, रिवकार को दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने जानकारी दी कि 'एमटी जेम नंबर 2' नामक कच्चे तेल के टैंकर में हुए हादसे के बाद 22 भारतीय चालक दल के सदस्यों को रस अल खैमाह तट के पास सुरक्षित बचा लिया गया। वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर कहा, 'हमें 'एमटी जेम नंबर 2' जहाज से जुड़े हादसे की जानकारी मिली, जिसमें 22 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे।

अमेरिका: फ्लोरिडा में 14 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर लगेगी रोक? अदालत से कानून को मंजूरी

फ्लोरिडा, एजेंसी। फ्लोरिडा राज्य को बुधवार को अदालत में एक अहम जीत मिली है। इस फैसले के बाद, राज्य अब 14 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर प्रतिबंध लगाने और अन्य पाबंदियां लागू करने में सक्षम होगा। 2024 में जब गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने इस कानून पर हस्ताक्षर किए थे, तब यह बच्चों की सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर अमेरिका के सबसे सख्त कानूनों में से एक था। अपील अदालत ने कहा कि यह कानून 'फर्स्ट अमेंडमेंट' (अमेरिकी संविधान का पहला संशोधन) से जुड़ा है, लेकिन संभवतः यह किसी खास कंटेंट के बजाय तटस्थ तरीके से लागू होता है। 11वें अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील को एक बेंच ने 3-0 के बहुमत से कहा कि यह कानून कानूनी चुनौतियों में टिक सकता है, क्योंकि यह बच्चों को सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए जरूरी हद से ज्यादा अभिव्यक्ति को स्वतंत्रता पर रोक नहीं लगाता है। यह कानून फ्लोरिडा में 14 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर रोक लगाता है। वहीं, 14 या 15 साल के बच्चों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने के वास्ते माता-पिता की सहमति जरूरी होगी। 'कंप्यूटर एंड कम्युनिकेशंस इंडस्ट्री एसोसिएशन' और 'नेटचॉइस' जैसे इंडस्ट्री समूहों ने फ्लोरिडा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। उनका तर्क था कि

यह कानून सोशल मीडिया कंपनियों और उपयोगकर्ताओं के 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' के अधिकारों का उल्लंघन करता है। 2025 में एक जज ने कहा था कि यह कानून संभवतः असंवैधानिक है और इस पर रोक (इंजंक्शन) लगा दी थी। जब अपील अदालत इस मामले की सुनवाई कर रही थी, तब उन रोक को होल्ड पर रखा गया था। अब यह रोक हटा दी गई है। वहीं, यह मुकदमा वापस तलहसी की फैडरल कोर्ट में जाएगा। अपील अदालत ने बताया कि यह कानून उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर लागू होता है, जिनके बारे में यह तय किया गया है कि वे बच्चों को सोशल मीडिया का बहुत ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करते हैं। साथ ही, यह केवल उन्हीं प्लेटफॉर्मस पर लागू होता है जो एल्गोरिदम और लक्ष्य लगाने वाले कई फीचर्स का इस्तेमाल करते हैं। फ्लोरिडा के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय से टिप्पणी मांगने के लिए भेजे गए ईमेल का तुरंत कोई जवाब नहीं मिला। 'नेटचॉइस' ने कहा कि वे इस फैसले से निराश हैं। 'नेटचॉइस' के वकील पॉल टार्क्स ने कहा, 'हम अभी अपने सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे कि ऑनलाइन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार सुरक्षित रहें। वहीं, अपने परिवारों के लिए फैसले लेते समय माता-पिता का ही मुख्य नियंत्रण बना रहे।

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर हमले की साजिश नाकाम: दूतावास ने पुलिस की तारीफ

शिकागो, एजेंसी। शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने बुधवार को अमेरिकी कानून प्रवर्तन अधिकारियों की ओर से की गई त्वरित कार्रवाई की सराहना की। यह कार्रवाई इलिनोइस में हिंदुओं के एक पूजा स्थल को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर गोलीबारी की साजिश रचने के आरोपी 19 वर्षीय युवक की गिरफ्तारी के बाद की गई थी।

भारतीय वाणिज्य दूतावास ने क्या कहा : शिकागो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने कहा, 'उसे इलिनोइस के ऑरोरा में एक पूजा स्थल को निशाना बनाने की कथित नाकाम कोशिश से जुड़ी खबरों की जानकारी है। दूतावास ने पुष्टि की कि वह इस मामले पर करीबी नजर रख रहा है और भारतीय समुदाय के लोगों के संपर्क में है। पैलेटाइन पुलिस विभाग के अनुसार, 19 वर्षीय संदिग्ध



एलेक्जेंड्रेस पैपोराकिस को एक हिंदू मंदिर में संभावित सामूहिक गोलीबारी की धमकियों की जांच के बाद गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की जांच 11 अक्टूबर को शुरू हुई, जब माउंट प्रॉस्पेक्ट पुलिस विभाग ने पैलेटाइन पुलिस विभाग को एक हिंदू मंदिर में संभावित सामूहिक गोलीबारी की जानकारी दी। यह जानकारी एक व्यक्ति से मिली थी, जिसने बताया

कि उसे पैपोराकिस की ओर से चिंताजनक इलेक्ट्रॉनिक संदेश मिले थे। जांचकर्ताओं ने बताया कि पैपोराकिस ने एक ऐसा दस्तावेज साझा किया था, जिसमें एक हिंदू मंदिर में सामूहिक गोलीबारी करने की कथित योजना की जानकारी थी। उसने राइफल, राइफल मैगजीन, बॉडी आर्मर (सुरक्षा कवच) और अन्य सामरिक उपकरणों व सामान की

यूक्रेन में स्टारलिनक पर पाबंदी से घिरे मस्क: रूस के हमलों के बीच उठे सवाल

कीव, एजेंसी। रूस के हमलों के बीच यूक्रेन में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिनक को लेकर ऐसा विवाद खड़ा हो गया है, जिसने दुनिया के सबसे अमीर कारोबारियों में शामिल एलन मस्क को कटघरे में ला खड़ा किया है। आरोप है कि यूक्रेन में इस सेवा पर लागी पाबंदियों से यूक्रेनी सेना के संचार और सैन्य अभियानों पर असर पड़ा है। अमेरिकी सांसदों ने भी इस कदम पर सवाल उठाए हैं। अब बहस सिर्फ इंटरनेट सेवा की नहीं, बल्कि इस बात की है कि क्या कोई निजी कंपनी युद्ध के दौरान किसी देश की रक्षा क्षमता को प्रभावित कर सकती है।

स्टारलिनक बंद होने से क्यों मचा बवाल : यूक्रेन की सेना यूद्ध के दौरान स्टारलिनक पर काफी हद तक निर्भर है। इसका इस्तेमाल ड्रोन उड़ाने, खुफिया जानकारी जुटाने और सैनिकों के बीच संपर्क बनाए रखने में किया जाता है। ऐसे में कनेक्टिविटी में रुकावट आने से मोर्चे पर मुश्किलें बढ़ने की आशंका जताई गई। अमेरिकी सांसदों ने आरोप लगाया कि रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच यूक्रेन को संचार सेवाओं पर रोक लगाना बेहद गंभीर मामला है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभी की विदेश मामलों की समिति के डेमोक्रेटिक सदस्यों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि इस तरह की पाबंदियां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फायदा पहुंचा सकती हैं। वहीं, सांयद प्रमिला जयपाल ने चेतावनी दी कि किसी एक कंपनी के पास युद्ध के दौरान संचार व्यवस्था रोकने की ताकत होना खतरनाक मिसाल बन सकता है। जेलेंस्की ने मस्क पर उठाए सवाल यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर

त्स्वीरों भी साझा की थीं। पैपोराकिस को उसके घर से निकलते समय ढूंढ निकाला गया और हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद, पैलेटाइन पुलिस के जासूसों ने उसके घर की तलाशी ली। बरामद की गई वस्तुओं में बॉडी आर्मर से लैस एक सामरिक जैकेट और खेत वर्चस्ववादी उपादाद से जुड़े प्रतीकों वाला एक पैच शामिल था। इसमें खेत वर्चस्ववादी और चरमपंथी विचारों से जुड़े बयान होने की बात कही गई है। दस्तावेज में भारतीय मूल के लोगों सहित दक्षिण एशियाई समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसा का भी जिक्र था। जांच एजेंसियां अब इन दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक बातचीत और बरामद सामान की पड़ताल कर रही हैं, ताकि कथित साजिश के उद्देश्य और उसकी तैयारी से जुड़ी पूरी जानकारी जुटाई जा सके।



जेलेंस्की ने भी इस मामले पर नाराजगी जताई। ब्रिटिश पत्रकार पियर्स मॉर्गन के कार्यक्रम में बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि रात करीब एक बजे स्टारलिनक की सेवाएं रोक दी गई थीं। उनके मुताबिक, इसका असर यूक्रेन की सैन्य गतिविधियों और रूसी हमलों से बचाव की कोशिशों पर पड़ा। जेलेंस्की ने कहा कि यह सेवा सिर्फ दुश्मन पर हमला करने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाने के लिए भी जरूरी है। उन्होंने आशंका जताई कि संचार व्यवस्था में बाधा आने से रूसी हमलों को रोकने में मुश्किल हुई और लोगों की जान जाने का खतरा बढ़ा। उन्होंने मस्क के फैसले को बड़ी गलती बताया। मस्क ने स्टारलिनक और स्टारशिल्ड में बताया अंतर विवाद बढ़ने पर एलन मस्क ने सफाई देते हुए स्टारलिनक और स्टारशिल्ड को अलग-अलग सेवाएं बताया। उनके अनुसार, स्टारलिनक स्पेसएक्स की व्यावसायिक सेवा है, जिसका इस्तेमाल नागरिक और रक्षात्मक गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। मस्क का कहना है कि व्यावसायिक सेवा का इस्तेमाल आक्रामक सैन्य कार्रवाई के लिए करना उचित नहीं होगा। वहीं, स्टारशिल्ड अमेरिकी सरकार के स्वामित्व और नियंत्रण वाली सैन्य संचार प्रणाली है।

नाबालिग बच्चियों का वीडियो बनाने वाले कोच को 90 साल की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नाबालिग जिम्नार्स्ट खिलाड़ियों की निजता से खिलवाड़ करने वाले पूर्व कोच सीन गार्डनर को 90 साल जेल की सजा सुनाई गई है। उसने मिसिसिपी के एक ज़िम के बाथरूम में जासूसी कैमरा लगाकर लड़कियों के कपड़े बदलने और बाथरूम इस्तेमाल करने के वीडियो बनाए थे। बुधवार को अमेरिकी जिला अदालत की जज क्रिस्टी जॉनसन ने उसे अधिकतम सजा सुनाई। 39 वर्षीय गार्डनर को तीन मामलों में 30-30 साल की कैद दी गई है।

बाथरूम में कैमरा लगाकर बनाए वीडियो : गार्डनर ने अदालत में अपना जुर्म कबूल



लेकर पुलिस में शिकायत की गई और अदालत में मुकदमे भी दायर हुए हैं। हालांकि, आयोवा से जुड़े आरोपों में गार्डनर पर अब तक आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि संशोधन मामला खत्म होने के बाद आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। खेल संगठनों की भूमिका

दिया है। कुछ पूर्व छात्राओं के वकीलों का आरोप है कि यूएसए जिम्नार्स्टिक्स और अमेरिकी सेंटर फॉर सेफस्पॉर्ट को 2017 में ही गार्डनर के अनुचित व्यवहार की जानकारी मिल गई थी, लेकिन उसे खेल से बाहर करने में देरी हुई। शिकायत के बाद 2022 में हुई कार्रवाई : सेफस्पॉर्ट ने 2022 में यौन शोषण की शिकायत मिलने के बाद गार्डनर को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। इसी साल चाउज जिम्नार्स्टिक्स ने भी उसे नैकरी से निकाल दिया। सेफस्पॉर्ट की जांच में सामने आया कि चाउ और कुछ अन्य कोचों को गार्डनर के खिलाफ यौन दुर्व्यवहार के आरोपों की जानकारी थी, लेकिन

उन्होंने इसकी सूचना संगठन को नहीं दी थी। मई में एक जज ने दो मुकदमों से सेफस्पॉर्ट को बाहर कर दिया। अदालत ने माना कि संशोधन कानून के तहत संगठन को कानूनी संरक्षण प्राप्त था। गार्डनर, यूएसए जिम्नार्स्टिक्स और चाउज जिम्नार्स्टिक्स के खिलाफ कई मुकदमे अभी चल रहे हैं। 90 साल की सजा से इस मामले में अहम फैसला जरूर आया है, लेकिन पीड़िताओं के आरोपों और खेल संस्थाओं की जवाबदेही से जुड़े सवाल अभी बाकी हैं। यह मामला बताता है कि बच्चों की सुरक्षा के लिए शिकायतों को गंभीरता से लेना और समय रहते कार्रवाई करना कितना जरूरी है।

चहल बोले- तलाक के बाद शराब की लत लगी

पैनिक अटैक से चेहरा टेढ़ा हो जाता था, बोलना मुश्किल था; 26 दिन रिहैब सेंटर में रहा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत हद से ज्यादा बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे। 36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिक्कुड़कर टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था। चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में खेला था। उन्होंने 15 दिन पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था। चहल ने अगस्त 2023 में अपना पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था।

पैनिक अटैक में हॉट कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल - चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, 'एंगजायटी में दिल की धड़कन तेज हो

जाती है और मेरा चेहरा सिक्कुड़ जाता था।' उन्होंने कहा, 'मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा हॉट कसकर एक तरफ खिंच जाता था। चहल ने कहा कि इससे लोग समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, 'मैंने सोचा कि आईपीएल पर ध्यान देते हैं।' तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी- चहल - चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, 'शुरुआत मैं में युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना पहला आईपीएल खेला था।' एबी डिविलियर्स ने एक बार उनसे कहा था, 'जिंदगी में संतुलन जरूरी है। चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपना आसान नहीं होता। चहल ने कहा, 'तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं।



संक्षिप्त

समाचार

चेतन शर्मा बोले- गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाएं बीसीसीआई

गेंदबाजों को इतना मत मारो कि वे दोबारा मैदान पर न आना चाहें



नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के पूर्व चीफ सिलेक्टर और क्रिकेटर चेतन शर्मा ने बीसीसीआई से गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।' चेतन ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- 'मैं मानता हूँ कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

गेंद और बल्ले के बीच संतुलन जरूरी - चेतन ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ऐसी पिचें होनी चाहिए, जिन पर गेंदबाज अटैकिंग बल्लेबाजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजों की मददगार पिचों की तरह इंटरनेशनल में भी ऐसी पिचें तैयार करने पर जोर दिया।

ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर 4 मैच का बैन

विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे थे, ब्रासिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे



मैड्रिड (एजेंसी)। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे ब्रासिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनीसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया। रेफरी ने गोल रद्द किया, रेड कार्ड भी दिखाया विनीसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन सालिबा के साथ दोड़ते समय बाल खींचे थे। इस घटना के तुरंत बाद विनीसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया। विनीसियस 18 अक्टूबर को सेविया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते ब्रासिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रैसिंग सांतादेर और वेलेसिया के खिलाफ अगले मैच भी मिस करेंगे।

एशियन पैरा गेम्स

भारतीय पुरुष ब्लाइट्स

फुटबॉल टीम को दक्षिण

कोरिया ने 2-0 से हराया

नागोया। (एजेंसी)। एशियन पैरा गेम्स में भारतीय पुरुष ब्लाइट्स फुटबॉल टीम को अपने अभियान के पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को खेले गए प्रारंभिक दौर के इस मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी जांग यंगजुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। दक्षिण कोरिया की टीम ने मैच के दोनों हाफ में एक-एक गोल किया और भारतीय टीम को वापसी का मौका नहीं दिया। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में आगाज निराशाजनक रहा। भारतीय टीम अब शनिवार को मेजबान जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगी। टीम की नजरें अगले दिनांक क्रिकेटर्स पिचों को बॉलिंग फेडल बनाने की मांग कर रहे हैं।

एक दिन पहले चेतन शर्मा ने बॉलिंग पिचों की मांग की थी - एक दिन पहले

संजय मांजरेकर बोले- पिच फ्लैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें

बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'मुझे लगता है कि पिचों को और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।' यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डू पोस्ट के जरिए कहा। मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब फ्लैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गौतम गंभीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटर्स पिचों को बॉलिंग फेडल बनाने की मांग कर रहे हैं।

एक दिन पहले चेतन शर्मा ने बॉलिंग पिचों की मांग की थी - एक दिन पहले

भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बैटिंग पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।' नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- 'मैं मानता हूँ कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।' गंभीर ने हफ्ते में 2 बार पिच पर सवाल उठाए थे - 9 अक्टूबर की रात को रांची में दूसरे टी-20 के बाद गंभीर ने कहा था- फ्लैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।

मांजरेकर ने 37 टेस्ट में 2043 रन बनाए, स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग देते हैं

संजय मांजरेकर भारतीय कमेंटेटर हैं, जोकि अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें तकनीकी रूप से मजबूत बैटिंग स्किल के लिए भी जाना जाता है। वे क्रिकेटर्स को स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग देते हैं। मांजरेकर 37 मैचों के टेस्ट करियर में 2043 रन बनाए। इसमें 4 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 74 वनडे मैचों में 1994 रन बनाए। इस फॉर्मेट में संजय के नाम एक शतक है।

3 अक्टूबर को गुवाहाटी में दूसरे वनडे के बाद गंभीर ने कहा था कि यह क्रिकेट नहीं था, सिर्फ बल्लेबाजी थी। उस मुकाबले में भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस मुकाबले में 811 रन बने थे।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20

आज निर्णायक मुकाबले में भारत को करने होंगे 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पांचवां और निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 2-2 से बराबर है। ऐसे में दोनों टीमों की नजरें आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होंगी।

हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने निर्णायक मुकाबले से पहले अपना आत्मविश्वास

मजबूत किया है। भारतीय टीम की कप्तान श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, लेकिन टी20 सीरीज में दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। अब सीरीज जीतने के लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति में कुछ अहम बदलाव करने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे तीन बदलाव, जिन पर टीम प्रबंधन विचार कर सकता है।

कुलदीप यादव की प्लेइंग इलेवन में हो सकती है वापसी

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने सीरीज के शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेले थे, लेकिन तीसरे और चौथे मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। ऐसे में निर्णायक मुकाबले के लिए उनकी टीम में वापसी पर विचार किया जा सकता है। कुलदीप ने इसी दौरे पर खेले गए वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। वह तीन मैचों में सात विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस प्रदर्शन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को एक बार फिर साबित किया। कुलदीप ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 15 फरवरी 2026 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। वह अब तक 54 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

सीरीज जीतने के लिए भारत को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज 2-2 से बराबर होने के कारण पांचवां मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम को जीत हासिल करने के लिए बल्लेबाजी में निरंतरता, मध्य ओवरों में बेहतर रन गति और गेंदबाजी में विविधताओं पर ध्यान देना होगा। कुलदीप यादव की संभावित वापसी और टीम की रणनीति में बदलाव निर्णायक मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं। अब देखना होगा कि भारतीय टीम आखिरी मैच में किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है और सीरीज अपने नाम करने में सफल होती है या नहीं।

मध्य ओवरों में बल्लेबाजी की रफ्तार बढ़ानी होगी

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय टीम को कई मौकों पर अच्छी शुरुआत मिली है, लेकिन मध्य ओवरों में रन गति बनाए रखने में परेशानी हुई है। शुरुआती ओवरों में बनाए गए दबाव को बड़े स्कोर में बदलने में टीम लगातार सफल नहीं रही है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड बल्लेबाजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ऐसे में भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। बल्लेबाजों को स्ट्राइक रोटेट करने, नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाने और ढीली गेंदों का फायदा उठाने पर ध्यान देना होगा। निर्णायक मुकाबले में मध्य ओवरों के दौरान रन गति में सुधार भारत की जीत की संभावनाओं को मजबूत कर सकता है।

तेज गेंदबाजों को अपनी रणनीति में लानी होंगी विविधताएं

सीरीज में भारतीय तेज गेंदबाजों ने मुख्य रूप से अपनी गति और लाइन-लेंथ पर भरोसा किया है। हालांकि, बेंगलुरु जैसे बल्लेबाजी के अनुकूल मैदान पर केवल एक ही रणनीति के सहारे विपक्षी बल्लेबाजों को रोकना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को कटर, धीमी गेंदों और पिच पर अतिरिक्त उछाल हासिल करने वाली गेंदों का अधिक प्रभावी इस्तेमाल करना होगा। खासकर मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में गति में बदलाव बल्लेबाजों की लय बिगाड़ सकता है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने से रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों को परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजना बदलनी होगी। सही समय पर धीमी गेंदों का इस्तेमाल और सटीक यॉर्कर निर्णायक मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

सीरीज में भारत के टॉप विकेट टेकर हैं अर्शदीप - अर्शदीप सिंह इस में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 4 मैचों में 5 विकेट झटकें हैं। उन्होंने तीसरे मुकाबले में 44 रन देकर 3 विकेट झटके थे। भुवनेश्वर कुमार ने अपना आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला 22 नवंबर 2022 को न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में खेला था। उस मैच में भुवनेश्वर ने 4 ओवर में 35 रन दिए। उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला था। इसके बाद से वे टीम इंडिया से बाहर हैं।

भुवनेश्वर 4 साल बाद आज टी-20 खेल सकते हैं, अर्शदीप की चोट के कारण टीम में शामिल

तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें टी-20 मैच में खेल सकते हैं। अर्शदीप सिंह को कंधे में चोट लग गई है। इस वजह से भुवी को स्कॉड में शामिल किया गया है। भारत-वेस्टइंडीज सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर है। 186 साल के भुवनेश्वर को 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में चुना गया था। लेकिन, अर्शदीप की चोट की वजह से अभी ही उनकी वापसी हो गई है। भुवनेश्वर ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2022 में खेला था।

अर्शदीप चौथे मैच में चोटिल हुए थे

अर्शदीप को बुधवार को हैदराबाद में खेले गए टी-20 के दौरान गेंदबाजी वाले कंधे पर चोट लगी थी। उनकी चोट को देखते हुए भुवनेश्वर को टीम में जगह दी गई है। अर्शदीप आखिरी मुकाबले में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला मैच से पहले उनकी रिक्वरी के आधार पर लिया जाएगा।

भारत में 15 साल बाद लौट सकती है एफ1 रेस

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर गुंज सकती है रफ्तार की आवाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में मोटरस्पोर्ट्स के प्रशंसकों के लिए एक बार फिर बड़ी उम्मीद जगी है। करीब 15 साल के लंबे अंतराल के बाद देश में फॉर्मूला-1 (एफ1)



रेस की वापसी की संभावनाएं तेज हो गई हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर दोबारा स्न1 रेस आयोजित करने को लेकर चर्चा चल रही है। अगर यह योजना सफल होती है, तो भारतीय फैंस को एक बार फिर दुनिया के सबसे तेज रेसिंग ड्राइवर्स को देखने की धरती पर देखने का मौका मिल सकता है। 2028 में वापसी का लक्ष्य, सरकार ने तेज की तैयारी - रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एफ1 की वापसी के लिए सरकार और

संबंधित पक्षों के स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले 2027 में वापसी की संभावना पर विचार किया गया था, लेकिन तैयारियों के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से अब 2028 का लक्ष्य सामने आया है। हालांकि, रेस की वापसी की अंतिम तारीख और आयोजन की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। अदाणी ग्रुप और एफ1 मैनेजमेंट के बीच बातचीत - रिपोर्ट में अदाणी ग्रुप और फॉर्मूला-1 मैनेजमेंट को दोषणा का इंतजार करना भी जिक्र है। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट को दोबारा रेस के लिए तैयार करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रमोटर,

2011 से 2013 तक भारत में हुई थी एफ1 रेस

भारत ने पहली बार 2011 में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फॉर्मूला-1 रेस की मेजबानी की थी। इसके बाद 2012 और 2013 में भी यहां ग्रां प्री का आयोजन हुआ। इन तीनों रेस में रेड बुल के दिग्गज ड्राइवर सेबेस्टियन वेटेल ने जीत दर्ज की थी। 2013 के बाद टैक्स विवाद, नियामकीय अड़चनों और वित्तीय समस्याओं के कारण भारत से स्न1 रेस का आयोजन बंद हो गया। अगर सरकार, संभावित प्रमोटर और एफ1 प्रबंधन के बीच सभी जरूरी मुद्दों पर सहमति बन जाती है, तो बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेसिंग देखने का रास्ता खुल सकता है। इससे भारत में मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यटन और निवेश को भी फायदा हो सकता है। फिलहाल, फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।

सरकारी सहयोग, वित्तीय व्यवस्था और सर्किट के संचालन जैसे अहम पहलुओं पर काम करना होगा।

बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई

कहा- सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस



नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- 'समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।' बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछने रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं। बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुक्रवार को सोशल प्लेटफॉर्म डू पोस्ट में अपनी बात रखी।

अनुशासनहीनता और सीखने का फर्क

44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं। सक्रिय खेलों से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की एथलीट्स कमीशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

मैंने अपने खेल करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया।

मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं सम्झना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।'



सलमान ने अभिनेत्रियों की गलत तस्वीरें खिंचने पर दी बड़े एक्शन की चेतावनी

अभिनेत्रियों की बिना सहमति के गलत और अनुचित एंगल से तस्वीरें लेने वाले पैपराजी के खिलाफ बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने बेहद सख्त रुख अख्तियार किया है। सलमान ने इस गंभीर मुद्दे पर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की और चेतावनी दी कि बार-बार मना करने के बावजूद ऐसी पैपरा-जिम्मेदाराना हरकतें जारी रखने वालों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान अभिनेत्री नेहा धूपिया ने भी इस तरह के व्यवहार के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाने के लिए सलमान खान का आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान, नेहा धूपिया ने विशेष रूप से अभिनेत्रियों की तस्वीरें पीछे से या ऐसे असहज करने वाले एंगल से खींचने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीर खवाल उठाए। इस पर सलमान ने साफ तौर पर कहा कि पहले कई बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद, कुछ पैपराजी के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस संवेदनशील मामले को सिर्फ एक मजाक समझ रहे हैं और ऐसी तस्वीरें ज़ेना लगातार जारी रखे हुए हैं। सलमान ने दृढ़ता से घोषणा की कि अब वह इस पूरे मुद्दे पर एक बहुत बड़ा कदम उठाएंगे। सलमान ने यह भी बताया कि कुछ बड़े मीडिया प्लेटफॉर्म भी बना सोचे-समझे इस तरह की आपत्तिजनक तस्वीरें प्रकाशित करते हैं, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। उनके मुताबिक, किसी भी व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं की गरिमा और निजता का सम्मान किया जाना अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई अभिनेत्री ऐसी तस्वीरों को लेकर स्पष्ट रूप से आपत्ति जताती है, तो उसकी बात को गंभीरता से लेना और उसका सम्मान करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने नेहा धूपिया से कहा कि अगर मना करने के बाद भी कोई इस तरह की हरकत करता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। बातचीत के दौरान सलमान ने फिल्म इंडस्ट्री के कुछ कलाकारों के व्यवहार पर भी टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि कुछ अभिनेता और अभिनेत्रियां खुद ही पैपराजी को बुलाते हैं और अपने प्रचार के लिए खास तरह की तस्वीरें खिंचवाते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई कलाकार अपनी इच्छा से इस तरह की तस्वीरें खिंचवाना चाहता है, तो यह उसकी निजी पसंद है। लेकिन जिन लोगों को ऐसी तस्वीरें पसंद नहीं हैं या जो अपनी निजता का सम्मान चाहते हैं, उनकी सहमति और व्यक्तिगत गरिमा का सम्मान करना हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं है, जब सलमान खान ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी नाराजगी जाहिर की हो। सितंबर 2026 में भी, बिग बॉस के एक पिछले एपिसोड के दौरान, उन्होंने पैपराजी की तस्वीरें लेने की शैली पर गंभीर सवाल उठाए थे। उन्होंने उस समय भी ब्रूख था कि महिला कलाकारों की तस्वीरें लेते समय कैमरों को उनके शरीर के खास हिस्सों पर केंद्रित करने की जरूरत क्यों पड़ती है।

आवारापन 2 अब प्राइम वीडियो पर

अगर आप अभिनेता इमरान हाशमी की हिट फिल्म आवारापन 2 को थिएटर में नहीं देख पाए थे और घर बैठे इसका मज़ा लेने का इंतजार कर रहे थे, तो आपके लिए अच्छी खबर है! यह फिल्म अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित आवारापन 2 में इमरान हाशमी के साथ दिशा टानी, शबाना आजमी, पूरन गबी, वेजयंत कोहली और सुविंदर विक्री भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म अगस्त 2026 में रिलीज हुई थी और इमरान हाशमी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। इमरान हाशमी ने आवारापन 2 को एक दुर्लभ घटना कहा, क्योंकि इसे पिछली फिल्म के सीक्वल के तौर पर पेश किया गया था, पिछली फिल्म लगभग 20 साल पहले रिलीज हुई थी लेकिन थिएटर में दर्शकों को नहीं मिल पाई थी। इमरान हाशमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन पर आप काम करते हैं, और कुछ ऐसी होती हैं जिनका हिस्सा होने पर आपको सचमुच गर्व होता है। आवारापन 2 दूसरी श्रेणी में आती है।



छह साल बाद फिर अभिनय की दुनिया में लौटने को तैयार बिपाशा बसु

बिपाशा बसु बिटिया देवी के जन्म के बाद से एक्टिंग से दूर हैं। मगर, उनके फैंस के लिए खुशखबरी है। अभिनेत्री करीब छह साल बाद अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरने को तैयार हैं। वे हंसल मेहता की वेब सीरीज से जुड़ी हैं, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है। बिपाशा बसु मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता की नई सीरीज में एक अहम रोल में नजर आएंगी। अभी तक इस शो के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। फिलहाल, बस इतना पता चला है कि सनी कौशल और विशाल जेटली भी इस शो में बिपाशा के साथ नजर आएंगे। हंसल मेहता की इस अनटाइटल्ड सीरीज को कथय कपूर और राघव राज ककड़ ने लिखा है। इसे 'ऑलमाइटी मोशन पिचर्स प्रोडर्शंस' के बैनर तले प्रभलीन संधू ने प्रोड्यूस किया है। इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। यह शो प्राइम वीडियो पर आएगा। इसकी कहानी एक छोटे से, गुमनाम शहर की है, जो महाद्वीप की हेरोइन राजधानी बनने की कगार पर है। इसमें सनी कौशल एक ईमानदार पुलिस वाले का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी ईमानदारी और इंसानियत को बचाने की कोशिश करते हुए सिस्टम के अंदर और बाहर की ताकतवर ताकतों से लड़ते हैं।

कैंसर रोग जीवन के बारे में नई बातें सीखने का अवसर बना: सोनाली बेंद्रे

कैंसर के अपने अनुभव को साझा करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने कहा कि उन्होंने इस बीमारी को कभी जंग के रूप में नहीं देखा। अभिनेत्री ने कहा कि उनके लिए यह कठिन दौर अपने शरीर को समझने, उससे जुड़ने और जीवन के बारे में नई बातें सीखने का अवसर बना। यह बात अभिनेत्री सोनाली ने मराठी किज शो 'कोण होणार करोडपति' के प्रीमियर के दौरान कही। कार्यक्रम की मेजबानी अभिनेत्री माधुरी दीक्षित कर रही हैं। शो के दौरान माधुरी दीक्षित ने सोनाली बेंद्रे के कैंसर के अनुभव का जिक्र किया और कहा कि बीमारी से उबरने के बाद दर्शकों ने उनके व्यक्तित्व का एक मजबूत रूप देखा। माधुरी ने उनके साहस और कठिन परिस्थितियों का सामना करने के तरीके की सराहना भी की। इसके जवाब में सोनाली ने बताया कि उस समय उनका ध्यान केवल बीमारी को हराने पर नहीं था। वह यह समझना चाहती थी कि उनके साथ ऐसा क्यों हो रहा है और इस अनुभव से वह क्या सीख सकती है। अभिनेत्री ने कहा कि आमतौर पर कैंसर से उबरने वाले लोगों के बारे में कहा जाता है कि उन्होंने बीमारी पर जीत हासिल कर ली, लेकिन उनके

अपने अनुभव को इस तरह के शब्दों में व्यक्त करना सही नहीं होगा। सोनाली के मुताबिक, बीमारी के दौरान उन्होंने जिंदगी और अपने शरीर को देखने का नजरिया बदला। उन्होंने कहा कि इस अनुभव से उन्हें कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलीं। वह इसे किसी मुकाबले के बजाय आत्मसमझ और सीखने की प्रक्रिया के रूप में देखती हैं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि किसी बीमारी को जंग और जीत जैसे शब्दों से जोड़ने पर ऐसा महसूस हो सकता है, मानो व्यक्ति अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ रहा हो। उन्होंने कहा कि शरीर के भीतर मौजूद कोशिकाएं भी उसी शरीर का हिस्सा हैं। ऐसे में बीमारी से जुड़े अनुभव को केवल लड़ाई के रूप में देखना उन्हें उचित नहीं लगता। सोनाली की बात का मुख्य भाव यह था कि बीमारी से गुजरने वाले हर व्यक्ति का अनुभव अलग होता है। किसी के लिए संघर्ष की भाषा प्रेरणा देने वाली हो सकती है, जबकि कोई दूसरा व्यक्ति अपने अनुभव को समझने और उससे सीखने पर अधिक ध्यान दे सकता है। सोनाली ने अपने दृष्टिकोण को व्यक्तिगत अनुभव के रूप में साझा किया और बताया कि इस कठिन दौर ने उन्हें अपने शरीर के प्रति अधिक समझ विकसित करने का अवसर दिया।



रणदीप हुड्डा: शोहरत के पीछे छिपी चुनौतियां

रणदीप हुड्डा अपनी दमदार अदाकारी और किरदारों के लिए की जाने वाली गहन मेहनत के लिए जाने जाते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले कलाकारों को लगातार काम का दबाव, व्यस्त शूटिंग शेड्यूल, सार्वजनिक जांच और लोगों की बेहिसाब उम्मीदों का सामना करना पड़ता है। ऐसे माहौल में मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। रणदीप का नाम मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में सामने आने के साथ एक व्यापक सवाल पर ध्यान जाता है क्या पेशेवर सफलता किसी व्यक्ति को निजी परेशानियों से बचा सकती है? दरअसल, किसी का बाहरी रूप से सफल और मजबूत दिखाई देना यह साबित नहीं करता कि वह भीतर से भी पूरी तरह ठीक है। अभिनेताओं को अवसर अपने किरदारों में गहराई से उतरना पड़ता है, जिससे वे भावनात्मक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। रणदीप जैसे कलाकार, जो अपने काम के प्रति अत्यधिक समर्पित हैं, उन्हें अवसर इन आंतरिक संघर्षों से जूझना पड़ता है।

गोंधल को मिलेगी ग्लोबल पहचान

देशभर में खूब तारीफें बटोरने और 99वें अकादमी अवॉर्ड्स में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी के लिए भारत की ऑफिशियल एंट्री चुने जाने के बाद, मराठी ड्रामा गोंधल अब दुनियाभर में अपनी पहुंच बनाने जा रहा है। पैन-इंडिया पावरहाउस कंपनी होम्बले फिल्मस ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म के ओवरसीज थिएट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन की कमान अपने हाथों में ले ली है, ताकि इसे दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाया जा सके। संतोष दावखर द्वारा लिखी और डायरेक्ट की गई फिल्म गोंधल, एक बेहद इंटेंस मराठी फोक-थ्रिलर है। इस फिल्म की कास्ट की बात करें तो इसमें किशोर कदम, इशिता देशमुख, योगेश सोहानी और निषाद भोंर्डे जैसे बेहद टैलेंटेड एक्टरस अहम भूमिकाओं में हैं। अपनी दमदार कहानी, असली लगने वाले कल्चरल बैकग्राउंड और कमाल की विजुअल डेपथ के लिए फिल्म लवर्स के बीच यह फिल्म अपनी एक अलग जगह रखती है। होम्बले फिल्मस के इस कदम से भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पहचान मिलेगी।

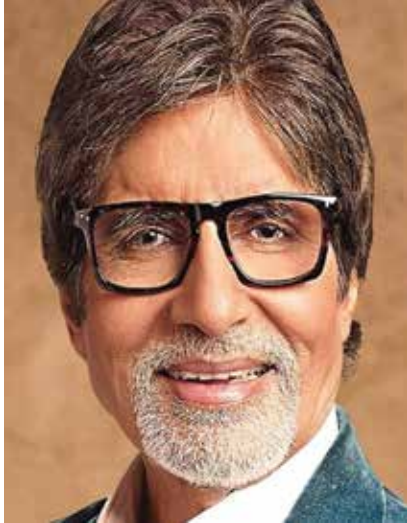


सोशल मीडिया को लेकर बदल गया हमारा नजरिया: अमिताभ बच्चन

सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और नकारात्मक टिप्पणियों को लेकर बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपना अनुभव साझा किया है। महानायक ने बताया कि शुरुआत में वह सोशल मीडिया को अपने विचार खुलकर व्यक्त करने का माध्यम मानते थे, लेकिन पोस्ट पर आने वाली टिप्पणियां पढ़ने के बाद उनका नजरिया बदल गया। सोशल मीडिया पर अब वह पहले की तुलना में कम लिखते हैं। यह बात उन्होंने लोकप्रिय किज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के दौरान कही। शो में पहुंचे प्रतिযোগी विनम्र ने अमिताभ बच्चन से पूछा कि वह सोशल मीडिया पर आलोचना और नकारात्मकता का सामना कैसे करते हैं। विनम्र ने कहा कि उनकी पीढ़ी के कई लोगों के लिए आलोचनाओं को संभालना मुश्किल होता है। इस पर अमिताभ ने बताया कि सोशल मीडिया पर सक्रिय होने के शुरुआती दिनों में

उन्हें लगता था कि यहां बिना किसी झिझक के दिल की बात कही जा सकती है। हालांकि, जब उन्होंने अपनी पोस्ट पर आने वाले कमेंट पढ़ने शुरू किए, तो उन्हें कई तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां देखने को मिलीं। अमिताभ ने कहा कि उनकी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लोग उग्र और व्यक्तित्व को लेकर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते थे। इस तरह की टिप्पणियों को देखकर उन्हें अजीब लगता था। उन्होंने बताया कि लगातार ऐसी प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखना कम कर दिया। अभिनेता ने अपने अनुभवों को हल्के-फुल्के अंदाज में साझा करते हुए कहा कि जब से उन्होंने कम लिखना शुरू किया है, उनके फॉलोअर्स की संख्या बढ़ती चली गई है। अमिताभ की इस टिप्पणी पर कार्यक्रम में मौजूद दर्शक हंसने लगे।

उनकी बात ने सोशल मीडिया के उस पहलू की ओर ध्यान खींचा, जहां किसी व्यक्ति को अपने विचार साझा करने की स्वतंत्रता तो मिलती है, लेकिन उसे अपमानजनक टिप्पणियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अमिताभ बच्चन लंबे समय से डिजिटल मंचों पर सक्रिय रहते हैं। उन्होंने वर्ष 2008 में अपना व्यक्तिगत ब्लॉग लिखना शुरू किया था। इसके बाद वह विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़े रहे। वह समय-समय पर अपने काम, अनुभवों और विचारों से संबंधित पोस्ट साझा करते रहे हैं। उनका ताजा अनुभव बताता है कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता के बावजूद नकारात्मक टिप्पणियां किसी को भी प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे माहौल में अपनी प्रतिक्रिया सीमित रखना भी एक विकल्प हो सकता है।



भीमपोर-पांचाल उद्योगनगर की श्री साईं ट्रेडिंग कंपनी में हुआ ब्लास्ट: 5 मजदूर झुलसे



असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दमण 16 अक्टूबर।
भीमपोर के पांचाल उद्योगनगर
स्थित श्री साईं ट्रेडिंग कंपनी के
इंगोत गलाने वाले भट्टी में आज
लगभग शाम 5 बजे ब्लास्ट हो
गया। इस दौरान भट्टी के पास काम
कर रहे 5 मजदूर इसकी चपेट में
आए और बुरी तरह झुलस गये।
सभी घायलों को वापी क

अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 16 अक्टूबर की शाम करीब 5 बजे भीमपौर के पांचाल उद्योगनगर में स्थित श्री साईं ट्रेडिंग कंपनी में इंगोट गलाने वाले भट्टी में अचानक ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट इतनी तेज हुआ कि भट्टी के पास काम करने वाले 5 मजदूर इसकी

चपेट में आ गए। इन मजदूरों में 2 गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों में दिनेश कुमार सोनी (44 वर्ष), संजय कुमार रॉय (38 वर्ष), सरीफ अंसारी (21 वर्ष), दिनेश प्रसाद यादव और राम प्यारे (42 वर्ष) शामिल हैं। गंभीर घायल 2 श्रमिकों का इलाज वापी के हरिया अस्पताल में और 3 अन्य घायलों का वापी के

नवजीवन अस्पताल में चल रहा है। घटना की जानकारी होते ही फायर विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। वहीं कडैया पुलिस थाना प्रभारी सोनु दुबे ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। भट्टी में ब्लास्ट होने के कारण कभी अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अद्वैत गुरुकुल में एनडीआरएफ ने विद्यार्थियों को सिखाए आपदा प्रबंधन के गुर

■ भूकंप, आग और बाढ़ जैसी आपदाओं से बचाव के उपायों का दिया प्रशिक्षण, मॉक ड्रिल के माध्यम से कराया सुरक्षित निकासी का अभ्यास



असली आजादी न्यूज नेटवर्क सिलवासा 16 अक्टूबर। सिलवासा स्थित अद्वैत गुरुकुल में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम द्वारा आपदा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आपातकालीन परिस्थितियों में सतर्क रहने, सहयोग निर्णय लेने तथा सुसुशिक्षित बचाव बल के व्यावहारिक तरीकों से अवगत करना था। एनडीआरएफ नियमित रूप से विद्यार्थियों में सुसुशिक्षित कार्यक्रम, जागरूकता अभियानों और मॉक ड्रिल आयोजित करता है, जिनमें प्राथमिक उपकरणों की सीपीआर, रक्तस्राव नियंत्रण तथा भूकंप सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण शामिल होता है। कार्यक्रम के दौरान एनडीआरएफ की टीम ने विद्यार्थियों को भूकंप, आग और बाढ़ जैसे प्राकृतिक आपदाओं के समय अपनाए जाने वाले

सावधानीपूर्ण व्यवहार की विस्तृत जानकारी दी। टीम ने बताया कि आपदा के समय घबराने के स्थान पर धैर्य रखते हुए पूर्व-निर्धारित सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए। इसी क्रम में भूकंप के दौरान झुकने-ढकने-पकड़ने (Drop-Cover-Hold) तकनीक का प्रदर्शन किया गया, ताकि विद्यार्थी खतरनाक क्षण में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। कार्यक्रम में छात्रालय के स्टेचर की सहायता से सुरक्षित रूप से बाहर निकालने की विधि, प्राथमिक उपचार तथा सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। एनडीआरएफ की टीम ने बताया कि आपात स्थिति में समय पर दिया गया प्राथमिक उपचार किसी व्यक्ति की जान बचावे में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आग लगने की स्थिति में सुरक्षित निकासी, धुएँ से बचाव, अग्निशामक यंत्र के उपयोग तथा आग बझाने के प्राथमिक उपायों

की जानकारी भी दी गई। इसके उपरांत विद्यालय परिसर में आपातकालीन स्थिति का अनुकरण करते हुए मॉक ड्रिल कराई गई। विद्यार्थियों ने निर्धारित मार्ग से व्यवस्थित रूप से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थान पर इकट्ठा होने का अभ्यास किया। एनडीआरएफ के मॉक एक्सरसाइज मानकों में चिह्नित मार्गों से निकासी, भीड़ से बचाव, निर्धारित स्थान पर एकत्र होना तथा उपस्थिति की जांच जैसे बिंदु शामिल हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों को आपदा कटि के महत्व, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 तथा एनडीआरएफ की बचाव एवं राहत गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गई। एनडीआरएफ आपदा प्रबंधन,

तेयारी और सामुदायिक जागरूकता के क्षेत्र में विद्यालय एवं संस्थानों के साथ लगातार कार्य करता है। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्राचार्य ने एनडीआरएफ टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के केवल जानकारी ही नहीं देते, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, जागरूक और सतर्क नागरिक बनाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की और समाज में भी आपका सुप्रक्षाली जाणकारी साझा करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के विद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षकगण तथा प्रशासनिक स्टाफ उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने इस व्यावहारिक प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताया।





**TORRENT
POWER**

DNHDD

विजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निराश और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीवार पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क मेंटेंनेंस की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया है। निम्न दशित संबंधित सबस्टेशनों से ग्राहकों को मिलने वाली बिजली सुबह ०५:०० से शाम ०५:०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

तिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
११/१०/२०२६ सोमवार	कला	१५ MVA TR-१	६६/११ केवी कला सबस्टेशन के सभी गांव/विस्तार: खेरडी खाडीपाडा, खेरडी कासपाडा, खेरडी खारपापाडा एकरूपेस फीडर: ११ केवी अमी पॉलिमर, खेरडी रुलर फीडर, रेयुडीएएल्लू युनिट-१, छडवा फीडर, सुदुर्गम मिनिकेम, किरण स्पिरिन, आरती सर्फैक्टेट्स, ग्लोबल विन्ड पावर

असुविधा को लिए खेद है



जेली चोरी !!
बिजली की सजा !

(भारतीय विद्युत अधिनियम, २००३ की धारा १३५ के तहत)

जो कोई भी बेईमानी से अनधिकृत कनेक्शन लगाता है, मीटरों से छेड़छाड़ करता है या अनधिकृत ड्रेयरों के लिए बिजली का उपयोग करता है, उसे तीन साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अवैध बिजली कनेक्शन का उपयोग करने से बचें।

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित

90999991912, 18002339500, 19126, 18002705551

connect.torrentpower.com

connect.dnhdd@torrentpower.com



24/7



पॉलिकैब कंपनी ने गरबा प्रतियोगिता का किया आयोजन: कंपनी के प्रेसिडेंट रमेश कुंदनानी ने विजेता प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत



असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दमण 16 अक्टूबर।
शारदीय नवरात्रि के पावन
अवसर पर पॉलिकैब कंपनी
द्वारा भव्य गरबा प्रतियोगिता का
आयोजन किया गया। कार्यक्रम

की शुरुआत पॉलिकैब कंपनी के प्रेसिडेंट रमेश कुंदनानी द्वारा मां अंबे की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्ज्वलन से की गई। इस प्रतियोगिता में कंपनी के कर्मचारी, महिलाओं ने

पारंपरिक वेशभूषा में बढ़ा-चढ़कर हिस्सा लिया। पॉलिकैब इंडिया लिमिटेड कंपनी द्वारा नवरात्रि में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हर साल इस तरह का आयोजन किया जात

है। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएमसी काउंसिलर अस्थी दमणिया ने अंबा माता युवक मंडल के नवरात्रि महोत्सव में पहुंचकर माँ अंबे की उतारी आरती



असली आजादी न्यूज नेटवर्क,
दमण 16 अक्टूबर। अंबा माता
युवक मंडल द्वारा नवरात्रि महोत्सव
का आयोजन किया गया है। जहां
पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग
पहुंच रहे हैं और माँ अंबे का

आशीर्वाद लेकर गरबा खेल रहे हैं। नवरात्रि महोत्सव के 5वें दिन डीएमसी काउंसिलर अस्मी दमणिया ने अंबा माता युवक मंडल के नवरात्रि महोत्सव की आरती में शामिल होकर माँ अंबे की आरती

उतारी और आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर काउंसिलर अर्पण दमणिया ने समाज, प्रदेश एवं पूरे देश को सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करने के लिए माँ अंबे से प्रार्थना की। जिसके बाद गरबा का

शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दीजे की धुन पर गरबा खेला। इस मौके पर कीर्तिभाई, राजूभाई, केवलभाई, दर्शकभाई सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ई-नसरवानजी पेट्रोल पंप के पास अंबा माता मंदिर में 18 अक्टूबर को शरद नवरात्रि उत्सव और गरबा प्रतियोगिता का होगा आयोजन

असली आजादी न्यूज़ नेटवर्क,
दमण 16 अक्टूबर।
नानी दमण के ई-नसरवानजी
पेट्रोल पंप के पास स्थित अंबा
माता मंदिर परिसर में 18 अक्टूबर
को शरद नवरात्रि उत्सव और
गरबा प्रतियोगिता का आयोजन
किया जाएगा। 18 अक्टूबर को
शाम 7 बजे माताजी की आरती
होगी। इसके बाद शाम 7.45 बजे
से गरबा प्रतियोगिता का शुभारंभ

होगा। सभी प्रतिभागियों को गरबा के पारंपरिक परिधान में सज्ज होकर गरबा प्रतियोगिता में शामिल होना होगा। गरबा प्रतियोगिता में व्यक्तिगत और समूह श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। इस नवरात्रि उत्सव और गरबा प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए अंबा माता मंदिर परिवार की ओर से प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया है।



दीव के पुराने पुल पर कार रेलिंग से टकराई: वाहन को हुआ नुकसान



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 16 अक्टूबर। दीव के पुराने पुल पर अनियंत्रित कार रैलिंग के साथ ठकराने से वाहन को नुकसान होने का मामला सामने आया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जूनगढ़ के रहने वाले दिलीप कोरिया अपनी फोर-व्हीलर कार से दीव से घोघला की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पुराने पुल पर अचानक उन्होंने वाहन पर से अपना निबंधन छोड़ दिया और कार अनियंत्रित होकर ब्रिज के रैलिंग से ठकरा गई। इस ठक्कर में गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे की वजह से दीव के पुराने पुल पर यातायात को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त कार को रास्ते से हटाकर थाने भिजवाया और पुल पर आवाजाही को दोबारा संचारु रूप से शुरू कराया। पुलिस इस मामले में ओपी की कानूनी कार्यवाही कर रही है।

TORRENT
POWER

DNHDD

विजली बंद होने की सूचना

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक विजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नेटवर्क मेंटेनेंस की योजना बनाई गई है। निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों से ग्राहकों को मिलने वाली विजली सुबह १:३० से शाम ६:०० बजे तक आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों को योजना बनाएं। हालांकि, विजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
२१-१०-२०२६ बुधवार	सिल्ली	११ केबी डोकमाडी-२	डोकमाडी विस्तार, रिकोलाइन स्टिचस, रेकोलिन निटिंग, आकाश मार्बल, कमल कार्बोवर्ग, खेमिसाटी, विनायक प्लास्टिक, प्रीसिजन वायर, श्रीजी वेयरहाउस, एसी समुद्रज
२२-१०-२०२६ गुरुवार	रखोली	११ केबी रखोली-१	मधुबन इली, ईएमएमबीआई ईंड. लि.-एचटी, ईएमएमबीआई पॉली यार्न्स लि.१, ईएमएमबीआई पॉली यार्न्स लि.२, डेफेक्रेब डीडिया, काइटेड ई.एच, एस-आर. निटिंग-एचटी, बेयर क्रॉप सायन्स लि, रेयान प्लास्ट, प्लेटिनम कटिंग
२३-१०-२०२६ शुक्रवार	सिल्ली	११ केबी उमरकुई-१	यूडी कार्मा, आदिथ-टेक, गेयोली, जेक्सन, फलांदी गाडीपाडा, गेयोली बागपाडा, अथोल तुरिकलिया, अथोला डुंगरकलिया, नंदन ड्यूम्पेस, एलडी, एएस कार्मा, एएसएमएस स्कूल, सुभंग कैसास, फलांदी मंत्रपाडा

असुविधा को क्षमा रखें है।

विजली चोरी !! जेल की सजा।

(भारतीय विद्युत
अधिनियम, २००३ की
धारा १३५ के तहत)

जो कोई भी बेईमानी से अनधिकृत कनेक्शन लगाता है, मीटरों से छेड़छाड़ करता है या अनधिकृत ड्रेथिंग्स के लिए विजली का उपयोग करता है, उसे तीन साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अवैध विजली कनेक्शन का उपयोग करने से बचें।

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित

Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 1802705551

connect.torrentpower.com

connect.dnhdd@torrentpower.com

धनश्री पॉलिमर्स

प्राइवेट लिमिटेड



तत्काल आवश्यकता है

प्लास्टिक
इंडस्ट्रीज के लिए

हमें असांगोन (महाराष्ट्र) में प्लास्टिक इंडस्ट्री के लिए तुरंत लोगों की आवश्यकता है...

1



शिफ्ट सुपरवाइजर - 3 व्यक्ति

और इंजीनियर - 1 व्यक्ति

प्लास्टिक इंडस्ट्री में कम से कम 3 साल का अनुभव

2



प्लास्टिक ब्लो मोल्डिंग

मशीन ऑपरेटर

3 साल का अनुभव

3



सेल्स पर्सन

जिनकी फार्मा और केमिकल इंडस्ट्री में जान-पहचान हो।

इच्छुक उम्मीदवार तुरंत आवेदन कर सकते हैं या जल्द से जल्द हमसे संपर्क कर सकते हैं

+91 96193 11323